

जयपुर में 3000 की रेट  
से कोठी कहीं नहीं मिले तो...

# केडिया है ना !

FIXED  
PRICE

NO MIDDLE-MEN  
DIRECT TO  
CUSTOMER

**KEDIA**  
**सेजरस्थान**  
KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

एम.आई. रोड़ से एक LEFT पर !



## बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

2 BHK WALK-UP अपार्टमेंट	1350 SF	45 लाख
3 BHK WALK-UP अपार्टमेंट	1900 SF	50 लाख
3 BHK BIG कोठी	2000 SF	60 लाख
4 BHK BIGGER कोठी	2325 SF	70 लाख
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 SF	1 करोड़



## विचार बिन्दु

अविश्वास आदमी की प्रवृत्ति को जितना बिगाड़ता है, विश्वास उतना ही बनाता है। -धर्मवीर भारती

## तथाकथित सभ्य व जागरूक समाज में महिला पहलवानों के प्रति इतनी अनअपेक्षित बेरुखी क्यों?

बहुत से लोगों को 2012 में दिल्ली में निर्भया के साथ हुई विभत्स घटना याद होगी। दिल्ली में आम लोगों ने, मीडिया ने, विभिन्न नागरिक-युवा संगठनों ने इतने जबरदस्त गुस्से का इजहार किया कि परिणाम स्वरूप उस लड़की को बड़िया इलाज उपलब्ध कराया गया। त्वरित गति से मुकदमा दर्ज हुआ, शीघ्रता व सावधानी पूर्वक मुकदमा जांच पूरी हुई और दोषियों को सख्त सजा मिली।

इस घटना ने, अपवादस्वरूप ही सही दिल्ली के सत्तासीनों के जमीर को भी हिला कर रख दिया। परिणाम स्वरूप जस्टिस वर्मा की अध्यक्षता में इस घटना के परिप्रेक्ष्य में महिला के साथ होने वाली इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लाने, इस लिए कानूनों का पुनरावलोकन भी करवाया, सुझाव मंगवाए और परिणाम स्वरूप महिलाओं के साथ अपराधिक छेड़छाड़ दुर्व्यवहार से सम्बंधित कानूनों पर नए दृष्टिकोणों से विचार व परिवर्तन शुरू हुए।

मुख्य बात यह है कि उद्देहित जनमानस के दबाव के चलते यह सब सम्भव हुआ। इस घटना के विपरीत, महिला पहलवानों के साथ हुई सेक्सुअल हैरसमेंट की घटना के जो आरोप लगाए गए उन पर विचार करें।

चूंकि इस मामले में आरोप कुरती संघ के अध्यक्ष, जो सत्ताधारी पार्टी के एक बाहुबली-धनबली सांसद है, उनके विरुद्ध लगे हैं इसलिए सबसे पहले तो खेल मंत्रालय ने, पहलवानों द्वारा ज्ञापन देने, विरोध प्रकट करने के बावजूद, इस घटना को पर्याप्त गम्भीरता व त्वरितता से नहीं लिया। परिणाम स्वरूप पहलवानों को दुबारा, संसद से 800-900 मीटर दूर पुनः धरने पर बैठना पड़ा।

फिर भी सत्ताधीशों के कानून पर जूतक नहीं रेंगी। 21 अप्रैल 23 को थाने में कम्प्लेंट दर्ज कराने पर भी दर्ज नहीं हुई तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट की दखल पर ही 28 अप्रैल को दर्ज हुई। यह सम्पूर्ण सरकारी सिस्टम और हम सब लोगों के लिए लज्जाजनक है कि नागरिकों को दर्ज कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़े।

यह मामला तो ख्याति प्राप्त, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता महिला पहलवानों का है, जो सुप्रीम कोर्ट तक अपनी व्यथा पहुंचा सकी।

कल्पना करें जब आम आदमी के साथ ऐसी बेरुखी सिस्टम की हो (जो सामान्य बात हो चली) तो क्या वह सुप्रीम कोर्ट पहुंच सकता है?

छोड़िए कि इन आरोप-प्रत्यारोपों में कौन सही कौन गलत है, छोड़िये स्तरहीन व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से शिक्षित होने वाले टुट्टों को किन्तु, दुखद है कि अपवाद स्वरूप कुछ चुनिंदा पत्रकार-टीवी चैनल को छोड़ें तो कोई पत्रकार, टीवी चैनल तो आरोपी के पक्ष में पूरे मामले को जातीय, राजनीति प्रेरित, तथाकथित सन्तो के समर्थन का रंग देने में कसर नहीं छोड़ रहे, क्यों? एक अखबार की न्यूज के अनुसार तो आरोपी विभिन्न संगठनों के दबाव से पोक्सो कानून बदलवाने की बात करता है। ऐसे बयानों पर सरकार-पुलिस-सत्ताधारी दल के राजनेताओं, नागरिक संगठनों की चुप्पी अच्छा संकेत नहीं।

गनीमत है कि इस बाहुबली द्वारा 5 जून को जो जनचेतना रैली की घोषणा कर रखी थी, जिसमें संतों को भी शामिल करने की असफल प्रयास हुए, को अब निरस्त कर दिया है। एक शुभ संकेत।

अगर कुछ राजनीतिक दलों, नागरिक संगठनों के नेता, किसान-ग्रामीण संगठनों के नेता, त्वरित, निष्पक्ष जांच की आवाज उठाने, पहलवानों से मिलने जंतर-मंतर चले गए तो उसमें क्या राजनीति हुई? कोई यह तो कह नहीं रहा कि जो कुछ पहलवान कह रहे हैं, उसे ही सही मान लिया जाए।

क्या कुछ नेता, कुछ प्रतिगामी संगठन यह चाहते हैं कि इन महिला पहलवानों की व्यथा को कहीं से कोई समर्थन नहीं मिले और ऐसा क्यों, ओर क्या यह सम्पूर्ण समाज के लिए शुभ संकेत कहा जा सकता है??

सब से दुखद यह है कि सत्ताधारी दल के बड़े नेता-पदाधिकारी खुल कर यह मांग भी नहीं कर पा रहे कि इस मामले में जल्दी से जल्दी न्यायपूर्ण जांच हो।

क्या पोक्सो एक्ट के दूसरे आरोपियों को इतनी छूट मिलते पडा-सुना ?? नीचता और घृष्टता की बानगी देखिए- किस-किस प्रकार के प्रश्न उछाले जा रहे हैं--मामला इतने दिनों बाद कैसे रिपोर्ट किया? पहलवानों के पास क्या प्रमाण है बताए, जैसे कि जांच अधिकारी वे ही हैं?

कोई वीडियो या ऑरल रिकार्डिंग हो तो बताएं? क्या कहा जाए इन बुद्धिहीनों के सवालों पर? यह बात तो उनके तभी समझ आए जब, दुर्भाग्यवश और ईश्वर न करे ऐसा हो किन्तु उनके किसी परिवार जन के साथ कोई ऐसी घटना घटित हो।

किसी महिला के साथ जघन्यता होगी तो वह पहले, उस राक्षस से यह कहेगी कि जरूरा करना, पहले मैं वीडियो रिकार्डिंग ओन कर देती हूँ!!!

जैसा हमारा समाज है, एक महिला के लिए इस प्रकार की घटना को सार्वजनिक करना, लगभग असंभव है। उसके परिवार और उस महिला को भविष्य में हो सकने वाली हजार बातें सोचनी पड़ती है। सरकारी सिस्टम भरोसे लाइक हो, परिवार और नागरिक संगठनों का साथ मिले और महिला में अदम्य साहस हो तभी वह खुल कर ऐसी घटनाओं की प्रकाश में लाएगी। क्या आप इसे नहीं मानते??

मीडिया वालों ने यह बयान तो छाप व बोल दिया कि नाबालिग महिला के किसी चाचा-ताऊ का कहना है कि वह बालिग है किंतु उसके पिता ने तो स्वयं दर्ज कराई है, उस से पूछने की जहमत तक नहीं उठाते? घटना के वक्त की स्थिति देखनी है या वर्तमान उग्र देखनी है?

अगर 28 मई को पुलिस पहलवानों व समर्थक जनता को संसद भवन तक मार्च की अनुमति नहीं देना चाहती थी तो बात समझ में आ सकती है किन्तु उनके धरना स्थल को क्यों तहस-नहस किया? उनके साथ अमानवीय व्यवहार क्यों किया गया? लगता है चाकरों में मालिक को वफादारी दिखाने के लिए किसी हद तक जाने की होड़ मची है??

एक वार्ता में एक महिला पुलिस अधिकारी ने जनता के बीच, यह कहा कि 28 मई को लोगों को गिरफ्तार नहीं किया है, डिटेन किया है, कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। तो फिर इनके विरुद्ध संगीन जुर्म वाली धाराओं में मुकदमा क्यों दर्ज और अगर जुर्म इतना ही संगीन तो फिर छोड़ा क्यों??

मंत्री कह रहे हैं, पहलवान जांच कार्यवाही में विश्वास रखें, नेक सलाह किन्तु जांच बिना समय सीमा के मंथर गति से, क्यों?? सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दर्ज करने के कितने दिन बाद पुलिस ने बयान दर्ज किए, कितने दिन बाद धारा 164 के बयान दर्ज हुए, कितने दिन बाद गठित हुई--क्या यह विश्वास बढाते हैं??

क्या सामान्यतः पोक्सो एक्ट में दर्ज मामलों में पुलिस ऐसे ही कार्यवाही करती है--क्या जिस व्यक्ति के विरुद्ध नाबालिग से यौन शोषण सम्बन्धी गम्भीर आरोप हों, उनके साथ पुलिस इसी तरह पेश आती है? उसे धूम-धूम कर प्रेस के माध्यम से अपनी पैरवी करने की छूट देती है, अन्य लोगों से भावनात्मक आधार पर समर्थन मांगने या प्रभावित करने की छूट देती है?? मंत्री जी से अंतिम प्रश्न--जैसे अन्य पोक्सो आरोपियों से साक्ष्य एक्टर करने के लिए जांच होती है, वैसी इस मामले में क्यों अन्व?

और अब सुने एक ठेठ ग्रामीण की टिप्पणी--क्यों जी, राहुल गांधी ने 4 साल पहले किसी सभा में एक टिप्पणी कर दी, उस पर तो उसकी सदस्यता खत्म, बंगला भी छीन गया, यह कौन ऐसा महाबली है कि सारी सत्तासीन जमात चुप है? एक थोड़े पढ़े-लिखे ने समझाने की कोशिश की कि दोनों अलग-अलग मामले हैं। बात उसके गले नहीं उतरी, वह बोला-- मैं तो केवल यह कह रहा हूँ सरकारी सुनती है, मन भाती बाता। राहुल के केस का पीछा नहीं किया जाता तो वह भी रहता किन्तु उसका मामला मन भाता नहीं था। इस बाहुबली के मामले में न बोलना मन भाती बात है। है न यह फर्क?

-अतिथि सम्पादक, महावीर सिंह, आई.ए.एस. (से.नि.)

## राशिफल

शनिवार 3 जून, 2023

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत् 2080, विशाखा नक्षत्र प्रातः 6:16 तक, शिव योग दिन 2:47 तक, वणिज करण दिन 11:17 तक, चन्द्रमा वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-मेघ, गुरु-मेघ, शुक-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेघ, केतु-तुला राशि में।

आज रविवार प्रातः 6:16 तक है। भद्रा दिन 11:1 से रात्रि 10:14 तक रहेगी। आज चान्द पूर्णिमा व्रत, मन्वादि, चंपक चतुर्दशी (बंगाल में) है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:19 से 9:01 तक, कर 12:25 से 2:07 तक, लाभ-अमृत 2:07 से 5:31 तक।

राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:12



पंडित अनिल शर्मा

वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-मेघ, गुरु-मेघ, शुक-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेघ, केतु-तुला राशि में।

आज रविवार प्रातः 6:16 तक है। भद्रा दिन 11:1 से रात्रि 10:14 तक रहेगी। आज चान्द पूर्णिमा व्रत, मन्वादि, चंपक चतुर्दशी (बंगाल में) है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:19 से 9:01 तक, कर 12:25 से 2:07 तक, लाभ-अमृत 2:07 से 5:31 तक।

राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:12

## कितना ही पर्यावरण बेवजह नष्ट होता है



डॉ. रामावतार शर्मा

वे सरकार में पदस्थापित एक उच्च अधिकारी हैं। स्वाभाविक है कि उन्हें साधन एवम् धन की कमी नहीं है, तो महलनुमा आलीशान मकान का निर्माण करवा लिया। घर के सामने दो-तीन विशाल और शानदार पेड़ थे। हरे भरे लहलहाते परंतु भव्य भवन के प्रदर्शन को रोक रहे थे तो एक दिन अरी के शिकार को गए। अब साहब के घर अपने वाले वाहन पड़ोसियों के पेड़ों के नीचे गर्मी से राहत पाते हैं। इस तरह के हालात हर शहर की तकरीबन हर कॉलोनी में घटित होते नजर आते हैं। मकान का सौंदर्य प्रदर्शित करना है इसलिए पेड़ का बलिदान किया जाएगा और उसके स्थान पर सुंदर से गमले में फूलदार पौधा स्थापित कर विश्व

में बिगड़ते पर्यावरण पर चिंता की जाएगी।

दूसरी तरफ जंगल में हाथी एक बायो इंजीनियर हैं जो विशाल पेड़ों के फूल, फल, पत्तियों और बीज खाता है और अपने गोबर डगर उस पेड़ के बीजों को चारों तरफ फैला कर नए जंगल की रचना करता रहता है। पर हमें हाथी दांत की चूड़ियां, मूर्तियां तथा अर्हकार तुष्टि के कुछ अन्य नमूने चाहिए तो हम दूर से राइफल द्वारा गोली चलाते हैं, फिर अपनी बहादुरी की फोटो खिंचवाते हैं मानो हाथी को मल्लयुद्ध में पछाड़ मारा हो। इतने शानदार और विशालकाय जीव की हत्या सिर्फ उसके दो दांतों के लिए करते समय मनुष्य हृदय में कम्पन तक नहीं होता है। प्रकृति अपने एक क्रियाशील इंजीनियर को सदा के लिए छो देती है। धरती पर चींटों से लेकर हाथी तक सभी जीव किसी न किसी रूप में किसी विशिष्ट नव निर्माण से जुड़े हुए होते हैं परंतु मनुष्य है जो हर समय प्रकृति को नष्ट करने में जुटा है।

दुनिया में हर साल कोई तीन करोड़ पेड़ मनुष्य अपनी जरूरतों के लिए काटता है, जिनमें से अधिकतर कटाई अनावश्यक होती है, अर्हकार तुष्टिकरण की पूर्ति करने के लिए होती है। हम लोग हर वर्ष 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाते

की परंपरा तो निभाते हैं परंतु व्यवहार में पर्यावरण को धनी बनाने का कोई कार्य नहीं करते हैं। हम लगातार इस बात को भूल जाते हैं कि प्राकृतिक संसाधन अनंत नहीं होते हैं। इन संसाधनों को हाथी जैसे बायो इंजीनियर बनकर पुनः निर्मित करते रहना पड़ता है। भारत के मध्य में अमरकंटक क्षेत्र के जंगलों की मूहता पूर्ण कटाई से हम तथाकथित नदी प्रेमी लोगों ने नर्मदा जैसी पानी से भरी बारहमासी नदी को नाले में तब्दील कर डाला है। मां गंगा, मां नर्मदा कहने मात्र से नदियां पवित्र और सुरक्षित नहीं हो जाती हैं। हम उनका उद्गम और रास्ते को बचना होता है, साफ-सुधरा तथा हरा-भरा रखना होता है परंतु इस दोनों ही मापदंडों पर हम असफल और संवेदनहीन रहे हैं। इस मायने में हमारा समाज मातृहता ही कहलाएगा।

बोते बीस सालों में भारत के शहरों तथा कस्बों में बाहनों की तीव्र वृद्धि हुई है। दिन के समय ये सब वाहन खुले में घूमे से तपते रहते हैं।

ज्यों ही रात होती है तो इन वाहनों की ह्टील चरों से ऊर्जा वातावरण में वापस छोड़ी जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह ऊर्जा इतनी अधिक होती है कि रात का तापमान दो तीन डिग्री तक बढ़ सकता

है और शायद एक कारण है जिसकी वजह से शहरों की रातें अब ठंडी नहीं होती हैं। इस समस्या से बचने के लिए हुआ है परंतु इतने पेड़ तो लगाने चाहिए ताकि हर छोटा बड़ा वाहन छाया में छड़ा हो सके। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार हिमालय घाटी का नदी तंत्र करीब 20 लाख 75 हजार वर्ग किलोमीटर भूमि को जल प्रदान करता है। इस जल से 5 लाख 77 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सिंचाई होती है और विश्व में सर्वाधिक 26,432 मेगावाट जल विद्युत पैदा की जाती है। गंगा और ब्रह्मपुत्र में तो पानी मुख्यतया बारिश से आता है परंतु अन्य सभी नदियों में पानी का स्रोत हिमालय के विशाल ग्लेशियर्स हैं जो लगातार बढ़ती वैश्विक गर्मी की वजह से पिघलते जा रहे हैं।

वैज्ञानिकों द्वारा भय व्यक्त किया जा रहा है कि ग्लेशियर्स का यह स्रोत समाप्त हो सकता है और बारिश की कमी से गंगा और ब्रह्मपुत्र भी तत्कालीन में आ सकती है। यदा कदा की अतिवृष्टि से नदियां उफान खा सकती हैं जिसके कारण बड़ी तबाही भी हो सकती है। यहां सरकार के साथ हर व्यक्ति का अपने स्तर पर प्रयास करने होगा। हम हमारा जीवन सिर्फ सरकार के भरोसे नहीं छोड़ सकते क्योंकि सरकार

मात्र एक मानव निर्मित तंत्र है जिसमें आत्म नहीं होती। सरकार का निर्माण चाहे किन्हीं उद्देश्यों के लिए हुआ हो परंतु व्यवहार में यह प्रभावशाली लोगों के स्वार्थी की पूर्ति का साधन होती है। यदि किसी व्यक्ति को अपना और अपनी आने वाली पीढ़ियों के जीवन को सुरक्षित रखना है तो धरती के पर्यावरण पर अपने स्तर पर भी कुछ प्रयत्न करने होंगे।

पृथ्वी पर यदि हम मांसाहारी जीवों को समाप्त करते हैं तो इतने शाकाहारी जीव पनप जायेंगे कि सारे जंगल को समाप्त कर देंगे। यदि बिलों में रहने वाले जीवों को हम मार डालेंगे तो रेगिस्तान में जो थोड़े बहुत घास के पौधे पनपते हैं उनके बीज समाप्त हो जायेंगे। पहाड़ों के बिलों में रहने वाले जीवों को समूल नष्ट करने के मानवीय प्रयास भविष्य के लिए घातक सिद्ध हो सकते हैं। पूरी प्रकृति का निर्माण एक क्रम के तरह होता है। इस क्रम को तोड़ना मानव जाति की मूहता है जो जीव, पेड़ और पौधा जिस कार्य के लिए निर्मित हुआ है उसके कार्य को यदि बाधित किया जाता है तो यह बेवजह पर्यावरण विनाश के सिवा कुछ नहीं है।

-डॉ. रामावतार शर्मा, (चिकित्सक एवं लेखक)

## मांगों को लेकर किसानों ने किया कलेक्ट्रेट का घेराव

चूरू, (कास)। फसल बीमा क्लेम सहित 22 सूत्री मांगों को लेकर शूक्रवार को किसानों ने कलेक्ट्रेट का घेराव कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कलेक्ट्रेट के सभी गेटों पर भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

किसानों ने अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन करते हुये कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर नारेबाजी की। इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प हो गई। सुबह से ही जिलेभर से किसान पैदल कलेक्ट्रेट पहुंचने लगे थे। किसान सभा के महामंत्री एडवोकेट निर्मल कुमार ने बताया कि बकाया फसल बीमा क्लेम, क्रांप कटिंग के आधार पर बीमा, किसानों को 6 घंटे बिजली, मनरेगा में छह सौ रूपये का

किसानों ने मांगों के समर्थन में प्रदर्शन करते हुये कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर नारेबाजी की। इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प हो गई। सुबह से ही जिलेभर से किसान पैदल कलेक्ट्रेट पहुंचने लगे थे। किसान सभा के महामंत्री एडवोकेट निर्मल कुमार ने बताया कि बकाया फसल बीमा क्लेम, क्रांप कटिंग के आधार पर बीमा, किसानों को 6 घंटे बिजली, मनरेगा में छह सौ रूपये का

भुगतान सहित 22 सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार किसानों के साथ अन्याय कर रही है, उनकी लंबे समय से चली आ रही बाजिब मांगों को नहीं माना जा रहा है। एडवोकेट निर्मल कुमार ने बताया कि अब भी अगर सरकार उनकी मांगें नहीं मानेगी तो मजबूरन चक्का जाम करना पड़ेगा।



फसल बीमा क्लेम सहित 22 सूत्री मांगों को लेकर किसानों ने कलेक्ट्रेट का घेराव कर प्रदर्शन किया।

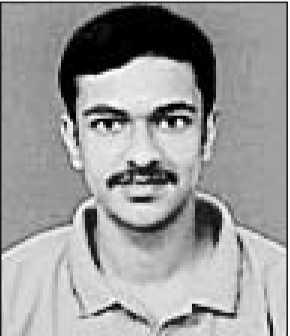
## स्नेक कैचर गजेंद्र सिंह को सांप ने काटा, जोधपुर रैफर

पाली, (निर्स)। पाली शहर में अब तक सैकड़ों जहरीले कोबरा सहित अन्य सांपों को पकड़कर आवासीय क्षेत्र से जंगल में छोड़ने वाले स्नेक कैचर गजेंद्र सिंह मंडली को गुरुवार देर शाम को सांप के रेस्क्यू के दौरान सांप ने काट लिया। जिन्हें इलाज के लिए बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां से देर रात को उन्हें जोधपुर रेफर किया गया। हालात खतरे से बाहर बताई है।

घटना गुरुवार देर शाम को पाली के हाऊसिंग बोर्ड के पास एक फॉर्म हाऊस पर हुई। फॉर्म हाऊस पर सांप आने की खबर पर स्नेक कैचर गजेंद्रसिंह मंडली सांप को पकड़ने पहुंचे। इस दौरान अचानक सांप ने उन्हें काट लिया। जिन्हें तुरंत उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गुरुवार देर रात को उन्हें जोधपुर रेफर किया गया। उनकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पाली में बड़ी संख्या में जहरीले कोबरा सांप हैं। जिनके काटने पर बचने की उम्मीद कम रहती है। पाली में पहले भी दो स्नेक कैचर की दौरान सांप ने मौत हो चुकी है। ऐसे में स्नेक कैचरों को चाहिए कि सांप को पकड़ते समय पूर्ण सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करें।

## राजकीय ऋणग्रस्तता और इसके स्वाभाविक मायने



वैभव शर्मा

ऋण यह शब्द सदैव से ही प्रगति या समस्याओं के बीच में उलझता हुआ या नजर आया है। बड़े लोग अक्सर किसी भी प्रकार के ऋणों से दूर रहने या बचने की सलाह देते हुए प्रतीत होते हैं, वहीं आधुनिक सोच के अर्थशास्त्री इसे विकास का एक आवश्यक अंग मानते हैं। चर्चा से उत्पन्न होते हुए कुछ सवाल यों हैं कि क्या राजकीय स्तर पर ऋण लिया जाए या नहीं, कितना लिया जाए, किन उद्देश्यों के लिए लिया जाए, किन परिस्थितियों में

लिया जाए, क्या ऋण लेने के स्थान पर कोई वैकल्पिक रास्ते उपलब्ध हैं, क्या खर्चे काम करके ऋणों को समायोजित किया जा सकता है या क्या आय के स्रोत बढ़ाकर ऋण लेने की परेशानियों से बचा जा सकता है?

यद्यपि परिवार अपने खर्चों को भली भाँति अपनी आय के स्रोतों से समायोजित कर पाने में किसी हद तक कामयाब रहते हैं, परन्तु आज्ञादी के वाद निरंतर सरकार ऐसा करने में सक्षम नहीं रही है। पारिवारिक स्तर पर आय और व्यय के दीर्घकालीन आंकलन को नियोजित करने और वापिस ऋण चुकाने की क्षमता का आंकलन करके संपत्ति बनाने, बच्चों की शिक्षा, अनिश्चितताओं का मुकाबला करने के लिए ऋण लिए जाते हैं, परन्तु यह एक कठिन निर्णय तब हो जाता है जब आप किसी कंपनी के सर्वोच्च पदों पर हो और कंपनी के शेयर होल्डर्स की तरफ से ऋण लेने का फैसला करते हो। यह निर्णय और भी कठिन तब हो जाता है ऋण उधारता के बोझ से राज्य और राज्य की जनता के सीधे जुड़े होने का मसला हो। ऐसे में ऋण लेने के इन कठिन निर्णयों का

आर्थिक, सामाजिक और नैतिक स्तर पर मूल्यांकन अति आवश्यक हो जाता है, और आर्थिक स्तर पर बेहतर से बेहतरतीन व्यवस्था बनाने के लिए यह और भी जरूरी है कि राज्य के लिए ऋण लेने के फैसलों का मूल्यांकन एक आम आदमी की परिधि में हो।

ऋण क्यों लिया जाए इसका निर्णय सदन में बैठे हुए कार्यपालिकाओं को करना होता है। यथासंभव कार्यपालिकाओं को अपने इन निर्णयों में संवाद द्वारा आम जनता को भागीदार बनाना चाहिए। लेकिन ऋण कितना लिया जाए यह निर्णय एक कठिन निर्णय है। आज के दायरे में कुछ राज्यों की सरकारों पर यह आक्षेप आता रहा है कि वे ऋण प्रस्तुता का मुकाबला करने में बहुत हद तक कामयाब नहीं रही हैं। ऋण कितना लिया जाए इस प्रश्न के कई पैमाने हो सकते हैं जिनमें ऋण के आवश्यकता, ऋण के तीव्रता और ऋण को वापिस चुका पाने की क्षमता, आदि हैं। ऋण को वापिस चुका पाने की क्षमता का जहा तक सवाल है जोड़ीपी ऋण-अनुपात एक ऐसा सूचकांक माना गया है जो इस संदर्भ में

कुछ प्रकाश डालता है। सामान्य शब्दों में यदि एक व्यक्ति की आय 1 लाख रुपये है और उस पर ऋण का बोझ 20,000 रुपये है जो की 20 प्रतिशत है, वही एक व्यक्ति जिसकी आय 1 करोड़ रुपये है उसके द्वारा लिया गया 10 लाख रुपये का बड़ा लोन भी ज्यादा इसलिए नहीं माना जाएगा क्योंकि यह ऋण उसकी आय का 10 प्रतिशत ही है जो की ऋण वापिस चुका पाने की सहजता को प्रदर्शित करता है। इसी प्रकार अलग-अलग जोड़ीपी वाले राज्यों और अलग-अलग जोड़ीपी के पैमाना भी अलग-अलग होना चाहिए।

यदि हम भारत के विभिन्न राज्यों में जोड़ीपी ऋण अनुपात के सन्दर्भ का अवलोकन करें तो 2021-22 कारिजर्व बैंक ऑफ इंडिया बुलेटिन ये बताया है की पंजाब राज्य में ये अनुपात काफी अधिक जो की 53.3 प्रतिशत है, राजस्थान में 39.5 प्रतिशत है, वही महाराष्ट्र में महज 17.9 प्रतिशत, ओडिशा में 18 प्रतिशत तथा तमिलनाडु में 27.4 प्रतिशत है।

किसी संस्था या संस्थाओं द्वारा लिए गए बेहतरतीन निर्णय बिना राजनीति के

संघीय देशों में राज्यों और संघ द्वारा किस प्रकार सहजता से स्वीकार कर लिए जाते हैं इसका एक नायाब उदाहरण कार्यपालिकाओं में व्यवस्थापिका के कुल सदस्यों का 15 प्रतिशत की सीमा बाँध देना है।

इसी प्रकार यदि सांख्यिक स्तर पर जोड़ीपी ऋण-अनुपात का सर्व सहर्मात से निर्धारण कर लिया जाए तो न सिर्फ राजनैतिक प्री की रेवडिजि बांटने और अकुशल तरीकों से अर्थव्यवस्थाओं के संचालन पर आरोप प्रत्यारोपों पर रोक लग सकेगी बल्कि राज्यों और केंद्र के सामने भावी योजनाओं के निर्धारण में ऋणों की भूमिका और ज्यादा स्पष्ट हो जाएगी। भारत जैसे संघीय देशों में नीतियों के निर्धारण की खूबसूरती इसी में है की विभिन्न संस्थाओं द्वारा मिल जुलकर समझदारी पूर्वक विभिन्न जटिल वित्तीय मुद्दों पर समावेशी गाइडलाइन्स तैयार कर ली जाए जो कि भावी नीतियों के निर्धारण में पथ प्रदर्शक साबित हो सकेंगी।

-वैभव शर्मा, स्टूडेंट, मद्रास स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स

**मेष** अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। अष्टम भाव में चन्द्रमा शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बन्ने कार्य बिगड़ सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

**वृश्चिक** घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

**मिथुन** व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संचालित खेत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

**धनु** घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अगर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**कर्क** व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक मामलों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक मामलों में सोच-विचार करना ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मकर** आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक मामलों में सोच-विचार हो सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

**सिंह** घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। धार्मिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कुंभ** व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लगेगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कन्या** परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त करेंगे। महत्वपूर्ण मामलों में मित्रों/सहोदरों से सहयोग मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

**मीन** नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बने लगेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



### The Jungle Man

For Sunayan Sharma, being a forester was not just a job, it was a dream of a fourteen-year-old boy that finally came true despite all odds!

World Bicycle Day

Bhalo Khabo@  
Howrah  
Express

One of the most aromatic and varied cuisine in the country



ओडिशा की चिल्का लेक में इस बार पूर्व वर्षों की तुलना में ज्यादा पक्षी आ रहे हैं। एशिया के इस सबसे बड़े वॉटर लगून में दिन का तापमान 39 से 41 डिग्री बना हुआ है, उसके बाद भी यहां काफी तादाद में पक्षियों के झुण्डों की आवाक बनी हुई है। राज्य सरकार के वन विभाग की चिल्का वाइल्डलाइफ शाखा ने 24 मई को जो वार्षिक ग्रीष्म सर्वे किया, उसमें यहां 88 प्रजातियों के 62,947 पक्षी गिने गए। यह रिपोर्ट अधिकृत रूप से 20 मई को जारी हुई थी। वर्ष 2022 में 95 प्रजातियों के 61,350 पक्षी तथा 2021 में 106 प्रजातियों के 48,728 पक्षी गिने गए थे तथा 2020 में 97 प्रजातियों के 45,056 पक्षी थे। इस बार जो पक्षी हैं उनमें 43 प्रजातियों के 54,407 जल पक्षी तथा 45 प्रजातियों के 8,540 स्थानीय पक्षी मिले हैं। सबसे ज्यादा पक्षी तंगई रेंज में देखे गए हैं। चिल्का लेक में ग्रेहैंड स्वॉम्पहैन, पर्पल स्वॉम्पहैन सबसे ज्यादा तादाद (8,386) में हैं। उसके बाद, एशियन ओपन बिल्ड स्टॉक, विस्कर्ट टर्न, लिटिल कॉरमोरेंट और लिटिल ईग्रेट प्रमुख हैं। पर्याप्त भोजन की वजह से हर साल गर्मी में यहां भारी तादाद में पक्षी आते हैं। तेज गर्मी को छोड़ दें तो, झील में हमेशा पानी रहता है। रिटायर्ड सीनियर फॉरेंसिक ऑफिसर जितेश्वर मोहनती ने कहा कि, चिल्का सड़ियों में हमेशा पक्षियों का प्रिय रहा है पर वॉटर फालू व स्थानीय पक्षी यहां पूरे साल रहते हैं। सर्दी के मध्य में, 4 दिसम्बर 2023 को हुए सर्वे में इस 1100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 184 प्रजातियों के 11,31,929 पक्षी पाए गए थे। इसमें से 105 प्रजातियों के 10,93,094 पक्षी विदेशी मेहमान थे तथा 79 प्रजातियों के 38,859 पक्षी स्थानीय थे। पक्षी अधिकांशतः हिमालय के पार, नॉर्दर्न यूरोशिया कैस्पियन क्षेत्र, साइबेरिया, कजाकिस्तान, बैकल लेक व रुस के सूदूर भागों व अन्य देशों से आते हैं। कुछ प्रवासी पक्षी तो गर्मी के बावजूद भी यहीं रहते हैं और अपने देश नहीं लौटते।

## कर्नाटक में सत्ता में आते ही कांग्रेस ने द्रमुक को पिन चुभाना शुरू किया

यहां यह उल्लेखनीय है कि, तमिलनाडू में द्रमुक कांग्रेस के साथ गठबंधन की साथी है

-लक्ष्मण बैंकट कुची-  
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-  
नई दिल्ली, 2 जून। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (के.पी.सी.सी.) के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार के लिये चुनाव जीतना ज्यादा आसान था, बजाय तमिलनाडू के साथ दशकों पुराने कावेरी जल विभाजन के विवाद को निपटाना। ज्ञातव्य है कि तमिलनाडू में इस समय

■ कर्नाटक के उप मु.मंत्री डी.के. शिव कुमार ने कावेरी नदी पर एक बांध बनाने की बात कही। जैसा कि विदित ही है, तमिलनाडू व कर्नाटक में कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर दशकों से विवाद चल रहा है तथा सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में अपना निर्णय भी सुना रखा है।

■ कावेरी नदी पर अब अगर एक नया निर्माण शुरू किया गया तो, यह प्रोजेक्ट तमिलनाडू के हितों के खिलाफ होगा।

■ तमिलनाडू के वरिष्ठ मंत्री, जिनकी मु.मंत्री स्टालिन के बाद मंत्रिमण्डल में दूसरी पोजीशन है, ने तुरंत शिव कुमार के वक्तव्य पर भारी विरोध जताया और कटाक्ष किया, शिव कुमार को गलत सलाह मिली है तथा जरूरत है कि, वे पूरे मामले को गहरायी से समझें और तब तक धैर्य रखें।

मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कावेरी पर मेकेंदातू बांध बनाने के बारे में बयान दिया। यह बांध कावेरी के पानी को रोक लेगा और इससे तमिलनाडू को नुकसान होगा।

मेकेंदातू बांध पर शिवकुमार के बयान पर, स्वामाधिक तौर पर द्रमुक ने तीखी प्रतिक्रिया दी। तमिलनाडू के जल संसाधन मंत्री एस. दुर्गेश्वरन कर्नाटक को कावेरी डिस्पूट ट्रिब्यूनल और सुप्रीम कोर्ट के फैसले की याद दिलाई जिसमें इस प्रोजेक्ट का जिक्र ही नहीं है। दुर्गेश्वरन स्टालिन के बाद द्रमुक सरकार के सबसे वरिष्ठ मंत्री हैं और पार्टी के कद्दावर नेता हैं। वे कावेरी जल विवाद से जुड़े हर मसले के अच्छे जानकार हैं।

दुर्गेश्वरन ने एक बयान में कहा कि, "मुझे हैरानी है कि शपथ लेने के तुरंत बाद शिवकुमार ने पड़ोसी राज्य को उकसाने वाला बयान दिया है। मुझे यकीन है कि अधिकारियों ने उन्हें मेकेंदातू का पूरा ब्यौरा नहीं समझाया (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## डेयरी बूथ आवंटन प्रक्रिया पर रोक से इन्कार

जयपुर, 2 जून (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में डेयरी बूथ आवंटन की प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में पेश स्टे

■ राजस्थान हाई कोर्ट ने गुजरात कोऑपरेटिव मिलक मार्केटिंग फाउण्डेशन लिमिटेड की याचिका खारिज करते हुए यह आदेश दिया। याचिकाकर्ता, गुजरात की कम्पनी ने बूथ आवंटन प्रक्रिया में स्वयं को शामिल करने की मांग की थी।

एप्लीकेशन को भी खारिज कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह की एकलपीठ ने यह आदेश, गुजरात कोऑपरेटिव मिलक मार्केटिंग फाउंडेशन लि. की याचिका में दायर प्रार्थना पत्र को खारिज करते हुए दिया। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## भाजपा नये सहयोगी दलों की तलाश में जुटी

एन.डी.ए., जिसके गठन के पच्चीस साल गत माह पूरे हुए, अब केवल कागज़ी संस्था बन कर रह गयी है, उसमें पुनः जान डालने की कोशिश भी हो रही है

-श्रीनंद झा-  
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-  
नई दिल्ली, 2 जून। कर्नाटक की पराजय से दण्डित तथा विपक्ष के संगठित होने की कोशिशों से व्याकुल एवं सचेत हो रही भाजपा ने मित्र बनाने तथा लोगों को प्रभाव में लेने की मुहिम शुरू कर दी है तथा इसके लिये नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एन.डी.ए.) में नये प्राण फूंकने का रास्ता अपनाया है।

2024 के लोकसभा चुनावों से पहले, भाजपा स्वयं को एक ऐसी अवांछनीय स्थिति में पा रही है, जहां उसके पास एक बड़े गठबंधन-पार्टनर के रूप में केवल ए.आई.ए.डी.एम.के. (अन्नाद्रमुक) ही है। इसके अलावा पूर्वोत्तर सहित देश के अन्य भागों में, उसके पास केवल छोटे-मोटे स्थानीय क्षेत्रीय ग्रुप ही हैं। अधिकांश क्षेत्रीय दल, जिनमें शिरोमणि अकाली दल, जनता दल (यू.) तथा शिव सेना (यू.बी.टी.)

■ अधिकांश क्षेत्रीय पार्टियाँ, जैसे शिरोमणि अकाली दल, जे.डी. (यू.) शिव सेना, (यू.बी.टी.) जुदा हो चुके हैं।

■ प्र.मंत्री मोदी ने भाजपा मु.मंत्रियों व उप मु.मंत्रियों से बातचीत करते हुए यह भी कहा कि, यह छवि बन रही है कि, क्षेत्रीय दल भाजपा के व्यवहार से खुश नहीं हैं तथा अलग-अलग महसूस करते हैं। प्र.मंत्री ने बातचीत में इस बात पर जोर दिया कि, यह छवि बदलना जरूरी है।

■ यह सच है कि, विपक्ष के बायकॉट के बाद भी शिरोमणि अकाली दल, वाई.एस.आर., कांग्रेस पार्टी, जे.डी. (एस), बीजेडी, बी.एस.पी. व टी.डी.पी. ने नये संसद भवन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया था। पर ये दल एन.डी.ए. के गठबंधन के सदस्य नहीं, इन्हें अधिकतम भाजपा से सहानुभूति रखने वाले दल माना जा सकता है।

उससे अलग हो चुके हैं। जब 2014 में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## बाइंडन लड़खड़ाकर नीचे गिरे

वॉशिंगटन, 2 जून। अमेरिका के राष्ट्रपति 80 वर्षीय जो बाइडन फिर एक कार्यक्रम के दौरान लड़खड़ाकर गिर गए। इस बार घटना कोलोरैडो की है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने साफ कर दिया है कि राष्ट्रपति सुरक्षित हैं और उन्हें किसी तरह की चोट नहीं लगी है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब बाइडन का

■ यह अब तक की पांचवीं घटना है जब 80 वर्षीय राष्ट्रपति बाइडन इस तरह से संतुलन बिगड़ने के कारण लड़खड़ाकर नीचे गिर पड़े हैं।

## 'बिजली कनेक्शन दिए जाने की वजह से 456 करोड़ रु. का नुकसान होगा, जे.डी.ए. का यह दावा बेबुनियाद है'

न्यायमित्र अधिवक्ता पी.एन. भंडारी ने यह भी कहा कि, शपथ पत्र में 17,000 भूखंडों को पट्टा नहीं देने के कारण बताए गए हैं, जब पट्टा ही नहीं दे सकते तो नुकसान किस बात का

-यादवेंद्र शर्मा-  
जयपुर, 2 जून। पृथ्वीराज नगर योजना में सोसायटी पट्टों पर बिजली कनेक्शन जारी नहीं करने से जुड़े मामले में जेडीए आयुक्त जोगाराम की ओर से हाईकोर्ट में शपथ पत्र पेश किया गया, जिस पर आज सुनवाई हुई।

शपथ पत्र में बताया गया कि पृथ्वीराज नगर (पी.आर.एन.) में सोसायटी पट्टों पर बिजली कनेक्शन दिए तो जेडीए को कथित तौर पर 456 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। जेडीए द्वारा दिये गये शपथ पत्र के अनुसार इस योजना में 641 अनुमोदित व 214 गैर अनुमोदित कॉलोनिआ हैं, इनमें कुल

■ भंडारी ने कहा कि, बिजली कनेक्शन में अनावश्यक प्रतिबंध लगाने से भ्रष्टाचार ही बढ़ेगा।

■ उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के फैसलों में और इलेक्ट्रिसिटी एक्ट में बिजली कनेक्शन को मूल अधिकार बताया गया है। बिजली कनेक्शन भूखंड के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

80,018 भूखंड हैं। जेडीए का कहना है कि इनमें से 62,454 भूखंडों को जेडीए ने पट्टे जारी कर दिए हैं। जेडीए की ओर से कहा गया कि यह 60,000 से अधिक पट्टे आवंटन करने में हाईकोर्ट के 2013 में दिये गये आदेश का सहयोग रहा है क्योंकि कई लोग भी जेडीए से पट्टा लेने के लिये आतुर हुए जब हाईकोर्ट ने उन पर यह पाबंदी लगाई कि बिजली कनेक्शन उन्हीं को दिए जा सकते हैं, जिनके पास जेडीए का पट्टा है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जोन (पी.आर.एन.)	कुल योजनाओं की संख्या जिनका रिकॉर्ड जमा है	अनुमोदित योजनाओं की संख्या	गैर-अनुमोदित योजनाओं की संख्या	कुल भूखण्डों की संख्या	जारी पट्टों की संख्या	शेष पट्टों की संख्या
उत्तर-प्रथम	204	173	31	21932	18018	3914
उत्तर-द्वितीय	214	164	50	21439	18784	2655
दक्षिण-प्रथम	173	115	58	17171	12669	4502
दक्षिण-द्वितीय	264	189	75	19476	12983	6493
कुल योग	855	641	214	80018	62454	17564

## जोधपुर-दिल्ली वंदे भारत रेल प्रोजेक्ट से रोक हटी

जयपुर, 2 जून (का.सं.)। जोधपुर से दिल्ली तक वंदे भारत ट्रेन प्रोजेक्ट के काम पर लगी रोक अंततः हट गई है। न्यायाधीश पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने याचिकाकर्ता नेलाकुदुरु इन्फ्रा

■ राजस्थान हाई कोर्ट ने इस संबंध में नेलाकुदुरु इन्फ्रा प्रोजेक्ट की याचिका पर सुनवाई करते हुए रेल्वे के अनुबंध रद्द करने के नोटिस पर स्टे लगा दिया था। इसी बीच रेल्वे ने कम्पनी को 30 माह का समय और दे दिया है।

प्रोजेक्ट्स की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कम्पनी के अनुबंध को रद्द करने सम्बंधी भारतीय रेल्वे के नोटिस को रद्द कर दिया। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)



# शिवराज जसुरिया गैंग के मुख्य सरगना सहित दो बदमाश दबोचे

## पुलिस ने आरोपियों के पास से दो पिस्टल, चार मैग्जीन एवं चार जिन्दा कारतूस सहित दो दुपहिया वाहन जब्त किए हैं

जयपुर। पुलिस कमिश्नरी की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन एक्शन अग्रेसर गन (आग) के तहत चित्रकूट इलाके में कार्रवाई करते हुए जयपुर शहर में बड़ी वारदात करने के फिराक में घूम रहे शिवराज जसुरिया गैंग के मुख्य सरगना इनामी बदमाश सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने आरोपियों के पास से दो पिस्टल, चार मैग्जीन एवं चार जिन्दा कारतूस सहित दो दुपहिया वाहन जब्त किए हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कैलाश विश्वासे ने बताया कि सीएसटी ने आरोपी भगवान सिंह

मिली कि बिजु गुलाब बाड़ी मर्डर में वांछित इनामी बदमाश अपने साथी के साथ किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने जयपुर आया है। फ्राइम ब्रांच को टीम ने चित्रकूट थाना पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई कर बेराबंदी कर दोनों बदमाशों को पकड़ लिया।

ततारपुर उर्फ भगसा (28) निवासी ततारपुरा गांव तहसील मकराना गच्छीपुरा जिला नागौर और दीपांशु कुमावत उर्फ दीपू (23) निवासी करधनी जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी भगवान सिंह पर करधनी में 5000 रुपये का इनाम घोषित किया हुआ है। सीएसटी फ्राइम ब्रांच के कॉन्स्टेबल अजय कुमार को मुखबिर से सूचना

बड़ी वारदात करने के फिराक में गुजरात से जयपुर आये हुए थे। पूछताछ में आरोपियों ने अवैध हथियार मध्यप्रदेश निवासी गुरप्रीत सिंह उर्फ रोशन से 15 हजार-15 हजार रुपये में खरीदकर लाना बताया है।

वहीं गिरफ्तार आरोपित दीपांशु कुमावत उर्फ दीपू करधनी का धारा 302 का अपराधी है। आरोपी भगवान सिंह ततारपुर उर्फ भगसा फरारी के दौरान अपने खर्चों के लिये लोगों को डरा धमका कर रुपये वसूलता था। गिरफ्तार आरोपियों से अवैध हथियार व अन्य वाहनों के खुलासे की संभावना है, जिसके संबंध में पूछताछ की जा रही है।

## जयपुर हवाई अड्डे पर फिर उतरे यूई के विमान

जयपुर। जयपुर के सांगानेर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर एक बार फिर शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात यानी यूई वायु सेना के नौ विमानों की अचानक लैंडिंग हुई। इसमें 24 से अधिक वायुसेना अधिकारी सवार थे। यह भी यूई वायु सेना के कार्गो विमान बताए जा रहे हैं। जानकारी में आया है कि यह विमान किसी एयर शो में भाग लेने गए थे। उसके बाद वहां से लौट रहे विमानों ने जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर लैंडिंग की। इससे पहले 15 मई को भी इसी तरह से जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर यूई वायु सेना के 8 विमानों की अचानक लैंडिंग हुई थी। उस समय इन्हें अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इन्हें पार्किंग के लिए जगह नहीं मिली। इसके बाद आनन फानन में इन्हें जयपुर के लिए मोड़ दिया गया। इसके बाद यह दूसरे दिन 16 मई को सुबह 6:30 बजे यह विमान अहमदाबाद लौट गए।

# माली महासंगम की तैयारियां अंतिम चरण में



जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में चार जून को माली समाज के होने वाले सम्मेलन का पोस्टर विमोचन किया गया।

जयपुर। प्रदेश में भाजपा व कांग्रेस दोनों पार्टियों से 20-20 टिकट की मांग व माली समाज को उचित प्रतिनिधि प्रतिनिधित्व, ज्योति राव फुले को भारत रत्न सम्मान सहित अनेक मांगों को लेकर राजधानी जयपुर में 4 जून को होने वाले महासंगम को तैयारी पूर्ण कर ली गई है।

माली महासंगम कार्यक्रम के प्रवक्ता राहुल तंवर ने बताया कि महासंगम को तैयारी को लेकर शुक्रवार को मुहाना मंडी में एक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व कृषि मंत्री प्रभु लाल सैनी ने कहा कि दोनों पार्टियों भाजपा व कांग्रेस राजस्थान में माली सैनी समाज को आने वाले विधानसभा चुनाव में उचित राजनीतिक प्रतिनिधि दें जिससे समाज का विकास हो सके महासंगम में राजस्थान ही नहीं राजस्थान के बाहर से भी समाज के बंधु जुटेंगे इस महासंगम में 5 लाख समाज बंधुओं की आंखों को उम्मीद है जिसको लेकर विद्याधर नगर स्टेडियम में तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी हैं।

सी.एल.सैनी ने कहा कि समाज को एक साथ जाजम पर आना चाहिए और अपनी एकता का परिचय देना चाहिए। इस अवसर पर राजस्थान माली महासंगम के अध्यक्ष छुट्टन लाल सैनी ने कहा कि माली महासंगम कार्यक्रम को सफल बनाने का को कहा और समाज के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए प्रेरित किया नगर निगम के राम सिंह सैनी ने माली महासंगम कार्यक्रम ऐतिहासिक होने की बात कही। इस अवसर पर राजस्थान माली महासंगम के प्रदेश महामंत्री मनोज अजमेरा कोषाध्यक्ष सागर मावर, पूर्व चेयरमैन नगर निगम रत्न खडोलिया, पूर्व चेयरमैन ज्ञान चंद सैनी गुलाब चंद इन्दौरा महात्मा ज्योतिबा फुले संस्थान के पूर्व अध्यक्ष मांगीलाल पवार जयपुर जिला माली सैनी समाज अध्यक्ष, रोशन सैनी राजतन राजौरिया युवा कांग्रेस शहर अध्यक्ष राकेश सैनी व ग्रामीण युवा कांग्रेस अध्यक्ष बंसी सैनी दुर्गा लाल सैनी शंकर सैनी आदि समाज के वरिष्ठ लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर महासम्मेलन के पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

## मोटिवेशनल स्पीकर हर्षवर्धन जैन रामाज रिसोर्ट पहुंचे



जयपुर। सक्सेसफुल नेटवर्कर, मोटिवेशनल स्पीकर और यु ट्यूबर हर्षवर्धन जैन अपनी फ्रेमिली के साथ रामाज रिसोर्ट में नाईट स्टे किया और रिसोर्ट की सुविधा का आनंद लिया।

रामाज रिसोर्ट के मालिक सोहित टेलर और मैनेजर महेंद्र मीणा ने बताया इन्होंने अपनी फ्रेमिली के साथ और रामाज फ्रेमिली के साथ यहाँ पर क्रिकेट खेला और डिनर का

## 3 ट्रक सामान जब्त किया

जयपुर। नगर निगम जयपुर हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर के निर्देश पर शुक्रवार को अस्थायी अतिक्रमण दस्ते मय पुलिस जाप्ता के द्वारा उपयुक्त सतकता मनीषा यादव के निर्देश में बड़ी चौपट, सांगानेरी गेट, घाट गेट, दासपोट नगर, जवाहर नगर आदि स्थानों पर जाकर अतिक्रमण करने वालों की कड़ी कार्रवाई की।

उपायुक्त सतकता मनीषा यादव ने बताया कि अतिक्रमण दस्ते ने कार्रवाई के दौरान 03 ट्रक सामान जब्त कर जनता मार्केट गोदाम में जमा करवाया गया साथ ही उन्होंने कहा कि भविष्य में भी अतिक्रमण करने वालों पर और भी कड़ी कार्रवाई करने हेतु निगम तत्पर रहेगा।

महापौर ने कहा कि जयपुरवासियों व पर्यटकों के लिए निगम हैरिटेज क्षेत्र में अतिक्रमण संबंधी समस्याओं का निवारण करने हेतु निगम प्रतिबद्ध है वह शहर को स्वच्छ, अतिक्रमण मुक्त क्षेत्र व सुविधाजनक व्यवस्था बनाये जाने हेतु निगम निरंतर रूप से अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि निगम का अतिक्रमण दस्ता निरंतर रूप से परकोटे में जा रहा है।

## फ्यूचर सस्टेनेबिलिटी रोडमैप पर कॉन्फ्रेंस का आयोजन 5 जून को

### उद्योगों में कार्बन न्यूट्रैलिटी को लेकर चर्चा होगी

जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) और राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा संयुक्त रूप से होटल आईटीसी राजपूताना, जयपुर में सुबह 9.30 बजे से कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। थिंक ग्रीन एंड एम्प्रेस ग्रीन- कॉन्फ्रेंस ऑन फ्यूचर सस्टेनेबिलिटी रोडमैप विषय पर आयोजित होगा।

इसके माध्यम से भविष्य के लिए ग्रीन और सस्टेनेबल वर्कस्पेस तैयार करने पर गहन जानकारी प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही कॉन्फ्रेंस में पर्यावरण और सस्टेनेबिलिटी के प्रभाव, ठीक को रेंटिंग और इसके लाभ, ग्रीन बिल्डिंग्स, वॉटर वेस्ट मैनेजमेंट, प्लास्टिक वेस्ट और हेतु निगम उचित निपटान, सोलिव्ड वेस्ट मैनेजमेंट और इसके निपटान पर भी प्रकाश डाला जाएगा।

उद्योग और सरकार के वरिष्ठ विषय विशेषज्ञ कॉन्फ्रेंस के विभिन्न

सत्रों को संबोधित करेंगे। जिनमें राजस्थान लघु उद्योग निगम के चेयरमैन, राजीव अरोड़ा, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरपर्सन, नवीन महाजन, सीआईआई राजस्थान के चेयरमैन और मनु यंत्रालय प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, अभिनव बंधिया, सीईओ-न्यू मोबिलिटी, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नितिन सेठ, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, सीईओ और डब्ल्यूटीडी, अरुण मिश्रा, क्षेत्रीय निदेशक- पश्चिमी क्षेत्र, केंद्रीय भूजल बोर्ड, पी के त्रिपाठी शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, लूथरा ग्रुप के निदेशक, प्रियेश भाट्टी; इंडो एनवायरो इंटीग्रेटेड सॉल्यूशंस लिमिटेड के उपाध्यक्ष (कंस्ट्रक्शन और डिमोलिशन), अरुण गैंगू; ग्रीनस्केप इको मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के वाइस चेयरमैन, डॉ. अशोक कुमार; सीआईआई-आईटीसी सेंटर ऑफ एकोलॉजिकल

फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, डिप्टी हेड- सीईएसडी, शिखर जैन; सीआईआई-ग्रीन बिजनेस सेंटर, उप कार्यकारी निदेशक, मुधुसैधियान एन; प्रेविटा इंडिया लिमिटेड, कार्यकारी निदेशक, नवीन शर्मा; स्मार्ट ऑर्बिटर्स, चीफ ऑपरिंग ऑफिसर, कैलाश निंबालकर और टेरा.फ्रामा कंसल्टेंसी सर्विसेज चेन्नई, पार्टनर और टेकनीकल हेड, वी राजेश भी सत्रों को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर सीआईआई राजस्थान के वरिष्ठ निदेशक एवं स्टेट हेड, नितिन गुप्ता भी उपस्थित रहेंगे। कॉन्फ्रेंस के दौरान कई विषयों पर चर्चा की जाएगी, इन्में उद्योगों में कार्बन न्यूट्रैलिटी प्राप्त करने के लिए स्ट्रैटेजी, इनोवेशन इन सस्टेनेबल मैनुफैक्चरिंग एंड प्रोडक्शन प्रोसेस, एनवायर्मेंटल सोशल गवर्नेंस (ईएसजी), कार्बन फुटप्रिंट्स को कम करना, प्लास्टिक रीसाइक्लिंग में इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी आदि विषय शामिल हैं।

# दो महिलाओं सहित चार तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरी की स्पेशल टीम ने ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ कानोता, विद्याधर नगर, करधनी एवं खोह-नागोरियान इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ की तस्करि करने वाली दो महिलाओं सहित चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके पास से 1 ग्राम 840 मिली ग्राम स्मैक, 1 किलो 100 ग्राम गांजा एवं 2 किलो 380 ग्राम डोडा पोस्ट एवं 7 हजार 770 रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस उपयुक्त (अपराध) ज्येष्ठा मैत्रयी ने बताया कि सीएसटी ने ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ कानोता, विद्याधर नगर, करधनी एवं खोह-नागोरियान थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए महिला तस्कर सुनीता देवी (40) निवासी मीना पालडी खोह-नागोरियान जयपुर, पिन्टू सांसी (41) निवासी लक्ष्मणगढ़ जिला सीकत हाल बाबू कच्ची बस्ती विद्याधर नगर जयपुर, अशोक सांसी (30) निवासी

पुलिस ने कानोता, विद्याधर नगर, करधनी एवं खोह-नागोरियान इलाके में कार्रवाई कर आरोपियों को दबोचा।

आरोपियों से स्मैक, गांजा एवं डोडा पोस्ट सहित हजारों की नकदी बरामद की

बगराना कानोता जयपुर और श्रवण कुमार बिश्नोई (24) निवासी बाण्ड जिला बाडमेर हाल सूर्य नगर करधनी जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 1 ग्राम 840 मिली ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक, 1 किलो 100 ग्राम गांजा एवं 2 किलो 380 ग्राम डोडा पोस्ट एवं बिक्री राशि 7 हजार 770 रुपये बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपी स्मैक झालावाड से स्वयं जाकर 2 हजार रुपये के हिसाब से लाकर छोटी-छोटी पुडिया बनाकर जयपुर में कच्ची बस्ती व आसपास रहने मजदूर को बेचता है। वहीं गिरफ्तार

## अनुभव प्रमाण जारी करने के निर्देश

जयपुर। प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभा सिंह ने देश में चिकित्सा सेवाओं में अपनी सेवाएं दे चुके स्वास्थ्य कर्मिकों को समय पर अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य निदेशक डॉ.रवि प्रकाश माथुर की अध्यक्षता में शुक्रवार को इस संबंध में स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की गयी। डॉ. माथुर ने बताया कि बजट घोषणा 2023-24 में घोषित नवीन 15 जिलों में जिलास्तरीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रारंभ करने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभा सिंह ने आवश्यक दिशा-निर्देश द्वारा जारी कर दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि सभी संबंधित अधिकारियों को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार यथा शीघ्र व्यवस्थापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने चिकित्सा संस्थानों में 7 साल से अधिक अवधि से अनुपयोगी नाकारा वाहनों अन्य कंडम सामग्री का चिन्नीकरण कर नियमानुसार इनके निस्तारण की कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए।

## किसान नेता ओम तंवर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

जयपुर। मुहाना मण्डी परिसर के ओम तंवर सब्जी ब्लॉक में पूर्व अध्यक्ष किसान नेता स्व. ओम तंवर की 7वीं पुण्यतिथि के कार्यक्रम आयोजन हुआ। कार्यक्रम के आयोजक व मुहाना सब्जी मंडी अध्यक्ष राहुल तंवर ने बताया कि हर वर्ष पौषि इस वर्ष भी पूर्व अध्यक्ष किसान नेता ओम तंवर जी पुण्यतिथि पर मुहाना मंडी परिसर में श्रद्धांजलि सभा हुई।

श्रद्धांजलि सभा में मंडी के व्यापारियों एवं किसानों ने भाग लिया। विभिन्न समाजिक संस्थाओं से जुड़े व्यक्ति भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित रहे। ओम तंवर संघर्षशील नेता रहे जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन किसानों मजदूर व व्यापारियों के अधिकारों हितों के संघर्ष किया। समाज को मुख्यधारा में जोड़ने का प्रयास किया मंडी के विकास में उनके योगदान भुलाया नहीं जा सकता है। ओम तंवर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज को समर्पित करते हुए किसानों व मजदूरों के

उत्थान में लगा दिया। मुहाना मंडी के विकास से लेकर कई उल्लेखनीय कार्यों में तंवर का योगदान रहा है। आज मंडी का प्रत्येक व्यापारी किसान व मजदूर अपने नेता को श्रद्धां सुमन अर्पित कर उन्हें याद करते हैं।

इस अवसर पर पूर्व कृषि मंत्री प्रभु लाल सैनी राजस्थान प्रदेश माली महासंगम के अध्यक्ष छुट्टन लाल सैनी राम सिंह सैनी युवा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष भूपेन्द्र सैनी मांगी लाल पंवार, सी एल सैनी, युवा कांग्रेस जयपुर शहर अध्यक्ष राकेश सैनी व जयपुर ग्रामीण के अध्यक्ष बंसी सैनी कर्मचारी नेता सूरज टॉक जयपुर ओबीसी कांग्रेस के अध्यक्ष सुनील सैनी युवा नेता विक्रम सैनी नगर निगम के पूर्व चेयरमैन रतन खडोलिया राजस्थान माली महासंगम के महामंत्री मनोज अजमेरा कोषाध्यक्ष सागर मावर जयपुर जिला माली सैनी समाज के रोशन सैनी सहित कई नागरिक उपस्थित रहे।

# गलता कुंड में डूबने से युवक की मौत

जयपुर। गलता के महिला कुंड में डूबने से एक युवक की शुक्रवार को मौत हो गई। मृतक की पहचान 25 वर्षीय मुकेश कोली के रूप में हुई। मृतक रामगंज इलाके में कोली काठियान का रहने वाला था। दोपहर में वह करीब 2 बजे अपने आधा दर्जन दोस्तों के साथ गलता कुंड में नहाने आया था। इसी दौरान ऊंचाई से कूदने पर मुकेश पानी में नीचे जा फंसा जहां सम्भवतय उसके शरीर पर चोट लगने से वह दोबारा ऊपर नहीं आया। इस पर उसके दोस्तों ने भी उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन मृतक के शव को वह बाहर नहीं निकाल सके।

लोगों ने इस पर पुलिस कंट्रोल रूम को शाम 6 बजे घटना की जानकारी दी। इसके बाद सिविल डिफेंस की टीम को मौके पर भेजी गई। 10 मिनट के सर्च के बाद सिविल डिफेंस की टीम ने मृतक युवक मुकेश को पानी से बाहर

# अनुशासन ही पहली शर्त जिससे अदृश्य को जगाया जा सकता है: परमालय

जयपुर। नया दृष्टिकोण वाला शिविर में श्री भवानी निकेतन परिसर में शुक्रवार को आयोजित कैप के दौरान परमालयजी ने विशेष सत्र में साधकों को संबोधित किया। इस दौरान मन क्या है, बुद्धि, भावना, विवेक व भाव क्या होते हैं, आदि पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कारण, कार्य और परिणाम पर बोलते हुए कहा कि कच्चे निशब्द पैदा होते हैं। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था पर ज्यादा जोर देते हुए कहा कि आदमी आज अधूरा ज्ञान प्राप्त कर रहा है। जिसे बेचैनी बढ रही है। जिससे डिप्रेशन में चला जाता है। पहले गुरुकुल होते थे, जिससे शिक्षा और विद्या दोनों का पूरा ज्ञान प्राप्त होता था। लार्ड मैकाले के शिक्षा व्यवस्था ने आज मन, बुद्धि और भावना को विकृत करके रख दिया है। सिर्फ ऊंचाईयों में चढ़ना और आरंभ को ध्यान में नहीं रखना ही विनाश का कारण बन रहा है। जिस प्रकार र्टी हुई चीज विकास नहीं ला सकती है। परमालयजी ने विशेष सत्र में साधकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमने यदि एक ही



जयपुर में सीकर रोड़ स्थित भवानी निकेतन परिसर में चल रहे शिविर में शुक्रवार को परमालयजी ने विशेष सत्र में साधकों को संबोधित किया।

समस्या के कारण को समझ लिया तो दूसरी समस्या आ ही नहीं सकती। आदमी को नजर नीचे बहुत होती है वह ज्ञान को नहीं पहचानता और प्रयास को पहचान जाता है। पदार्थ को पहचानने वालों में बुद्धि नहीं होती। आज सीकेंस में शिक्षा नहीं देने के कारण परिणाम भुगतने पड रहे हैं। मन अविकसित है, मन विकसित किया जाए, विकसित मन ही पढाई कर सकता है। अधूरा आदमी

शब्द ही मुंह से निकलते हैं। जिस प्रकार बीच से भक्ति की जाए तो वह शक्ति प्रदान नहीं करती, ज्ञानी व्यक्ति ने हमेशा बेस से ही बोला है। परम आलयजी ने माहेश्वरी पब्लिक स्कूल विद्याधर नगर में शाम को चंद्र नाडी के प्रयोग के साथ ही महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस दौरान उपस्थित साधकों ने आज बढ़ती बीमारियों के कारण और निवारण की। परमालयजी जी शिविर के पांचवें दिन विचार विमर्श सपने कल्पना का क्या काम है हमारे जीवन में साधकों को संबोधित कर ब्रेन को अदृश्य शक्तियों को जागृत करने के साथ ही मन की अवचेतन शक्तियों पर सूत्र बताएंगे। शिविर से जुड़े संजय महेश्वरी, परमानंद, कमल सोमानी, नरेंद्र बेद, राजेश नागपाल, आलोक तिजारीयार ने अंतिम कि इस छह दिवसीय शिविर के बताया दिनों में परम आलयजी ब्रेन से जुड़ी शक्तियों को जागाने और विकसित करने पर प्रयोग करवाएंगे।

## ‘सीजीएचएस के लिए अस्पतालों को पैलन में शामिल करें’

जयपुर। शुक्रवार को विद्याधर नगर स्थित सीजीएचएस कार्यालय में जयपुर सांसद रामचरण बोहरा की अध्यक्षता में सीजीएचएस क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित हुई। सांसद बोहरा ने केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की एवं मरीजों को चिकित्सा सुविधाओं में आ रही समस्याओं के संदर्भ में जरूरी निर्देश दिये। सांसद बोहरा ने कहा कि जो अस्पताल सीजीएचएस में पैलनबन्ध होने के लिए आवेदन कर चुके हैं उन्हें तुरंत पैलन में शामिल जाए एवं सीजीएचएस में शिफ्ट हुए एवं अस्पतालों को आ रही है समस्या का निराकरण किया जाए। केंद्र सरकार द्वारा अस्पतालों को दी जा रही इलाज की राशि में जो वृद्धि की है उसका लाभ तुरंत अस्पतालों को दिया जाए। सांसद बोहरा ने बैठक में सीजीएचएस के लाभाधिकारों की समस्याओं को भी सुना एवं जल्द से जल्द उनका निस्तारण करने के लिए कहा। सांसद बोहरा ने कहा कि जयपुर की हर विधानसभा क्षेत्र में सीजीएचएस का एक वैलनेस सेंटर बनाया जाए, जिसके लिए जल्द प्रपोजल बनाकर भेजा जाए, जिससे सीजीएचएस के लाभाधिकारों को इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़े। सांसद बोहरा ने विद्याधर नगर स्थित सीजीएचएस वैलनेस सेंटर का निरीक्षण किया एवं वहां स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया एवं वहां मरीजों के बैठने की उचित व्यवस्था करने के लिए भी कहा।

सांसद बोहरा ने केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की एवं मरीजों को चिकित्सा सुविधाओं में आ रही समस्याओं के संदर्भ में जरूरी निर्देश दिये। सांसद बोहरा ने कहा कि जो अस्पताल सीजीएचएस में पैलनबन्ध होने के लिए आवेदन कर चुके हैं उन्हें तुरंत पैलन में शामिल जाए एवं सीजीएचएस में शिफ्ट हुए एवं अस्पतालों को आ रही है समस्या का निराकरण किया जाए। केंद्र सरकार द्वारा अस्पतालों को दी जा रही इलाज की राशि में जो वृद्धि की है उसका लाभ तुरंत अस्पतालों को दिया जाए। सांसद बोहरा ने बैठक में सीजीएचएस के लाभाधिकारों की समस्याओं को भी सुना एवं जल्द से जल्द उनका निस्तारण करने के लिए कहा। सांसद बोहरा ने कहा कि जयपुर की हर विधानसभा क्षेत्र में सीजीएचएस का एक वैलनेस सेंटर बनाया जाए, जिसके लिए जल्द प्रपोजल बनाकर भेजा जाए, जिससे सीजीएचएस के लाभाधिकारों को इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़े। सांसद बोहरा ने विद्याधर नगर स्थित सीजीएचएस वैलनेस सेंटर का निरीक्षण किया एवं वहां स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया एवं वहां मरीजों के बैठने की उचित व्यवस्था करने के लिए भी कहा।

## #FOOD-REVIEW

### Bhalo Khabo@ Howrah Express

One can be spoiled for choice as the main course at The Howrah Express has cyclical menu.



Sadhana Garg  
Journalist & social entrepreneur

If you are a foodie who lives and loves to eat, then the current Bengali food festival 'Howrah Express' being held at Crowne Plaza, Sitapura is just what you should check out.

A 15-day festival curated by a MasterChef flown in from Calcutta it has a cyclical Bengali menu - simply put each day has different dishes to offer. Challenging as it is since Bengali cuisine has been deemed one of the most aromatic and varied cuisine in the country. "We have not only flown in spices, but even our cow's ghee is from Kolkata," points out Chef Vimal.

Why ghee? One may ask, "because the cows feed in green pastures with high water content in the fodder - imparting a different aroma to the ghee that cannot be had in Rajasthan." So the Moong Dal Bhaia is a treat nothing like what we make here. The moog dal is one of the most underper-

unlike the running one made in this part of the world. The green peas Puri and ghee Bhaat accompanied by saffron rice went well. Vegetarian and non-vegetarian Biryani of course is the offshoot of Mughal influence on Bengali cuisine.

For carnivorous beings there is fish Chingri malai curry and the Thakurbari mutton that need mention amongst the many more. The latter derives its name from a place in Kolkata famous for its mutton. Posto, fried cashew paste, add to this the meticulously prepared onion garlic paste - all give it the Thakurbari back and flavour. Typically the Bengali food is pungent but Chef Vimal says, "We toned it down keeping in mind the local taste and also because of the in house guests."

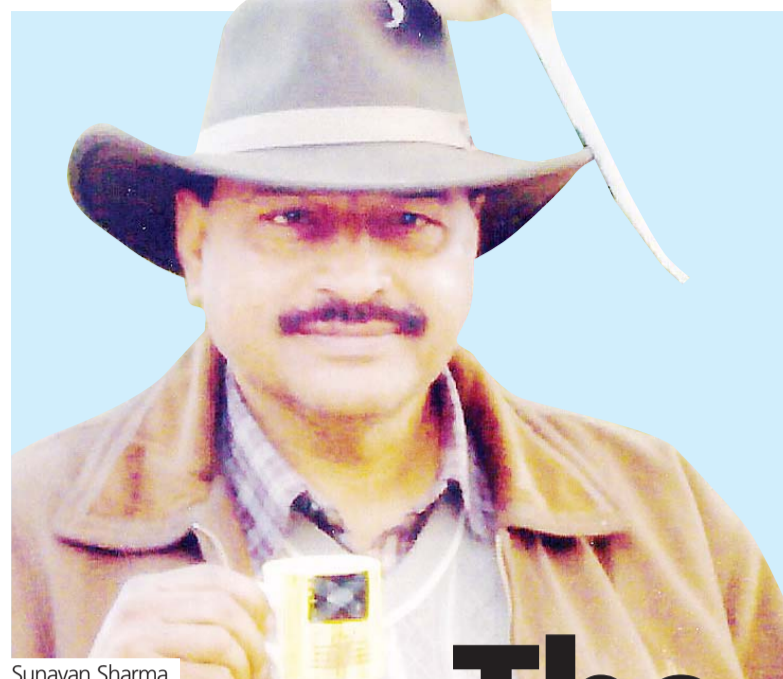
Kochi pathar mangsho jhol or khasir mangshor jhol was light yet delicious recipe of authentic Bengali mutton curry cooked with large chunks of jumbo potatoes. This red soupy mutton curry called Mangshor jhol (in Bengali) had a thick layer of oil on its top, and contained juicy tender mutton pieces with buttery soft potatoes. One can be spoiled for choice as the main course at the Howrah Express has cyclical



forming of all dals in the hospitality sector which is hugely besotted by whole black urad and Rajma. The flavoursome avatar of the dal must come from roasting it on slow fire and then cooking it in a heavy bottom Deg.

The Aloo Jhinga Posto, as is evident, is cooked in a creamy gravy of Posto or poppy seeds - both the combo and the taste is unique only to the Bengali cuisine. Jhinga in this case denotes Torai. The Chenna Daina or paneer with its rich gravy was reminiscent of Kashmiri gravly Palak Bhaia a medley of tarkari. One missed the distinct flavour of "Phul" Palak - round shaped Palak leaves somewhat thicker than our Palak and a native of the Bengal region.

The Mirchi Ka Salan, the jaggery and tamarind chutney - and kaccha ami Lauji were finger licking. The sweet chutney is thick and gooey.



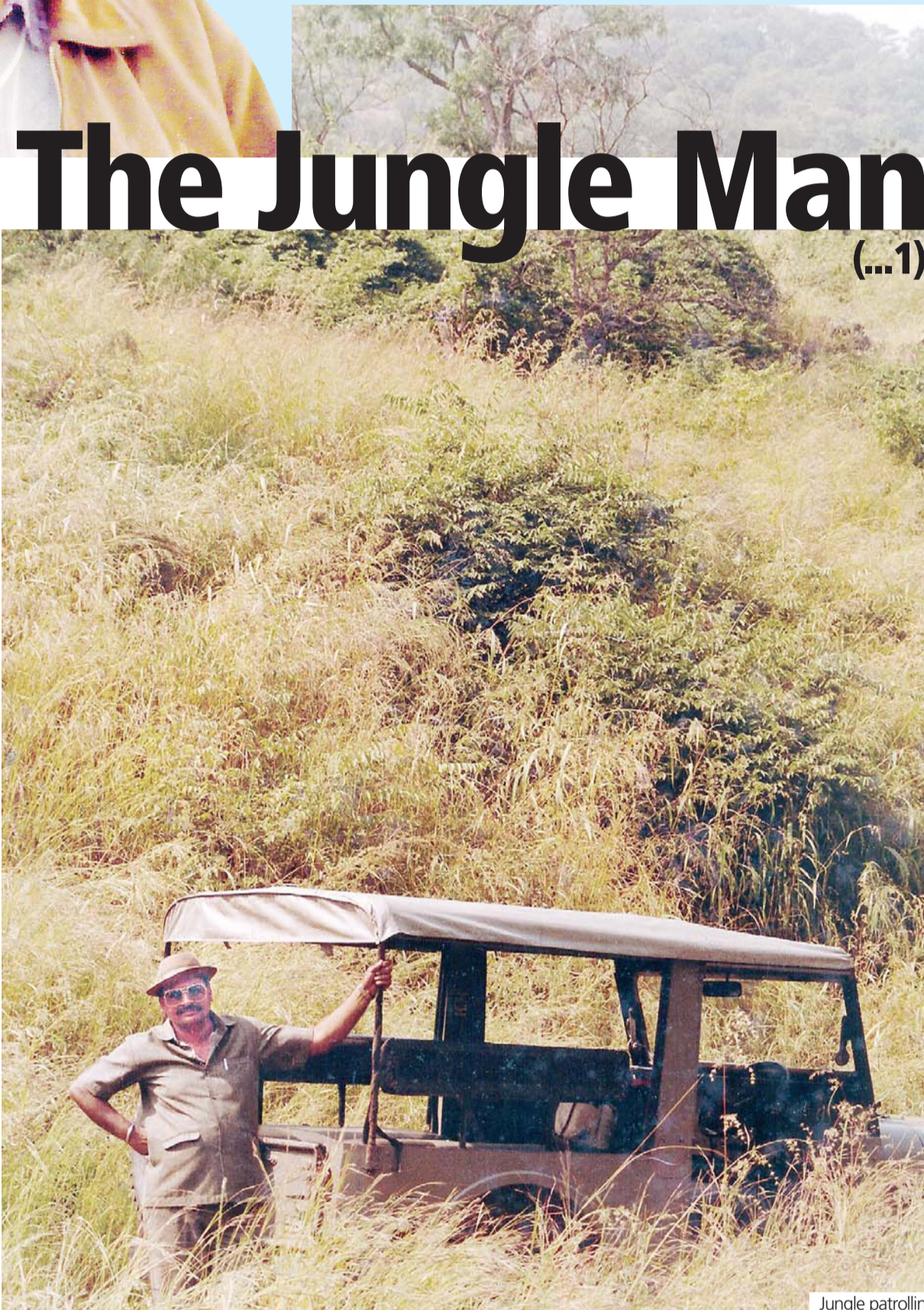
Sunayan Sharma.



Shailaza Singh  
Published author, poet and a YouTuber

## The Jungle Man (...1)

When Sunayan Sharma, the former director of Sariska and Keoladeo National Park talks about his favourite place - the jungle, you can see his eyes light up. For him, being a forester was not just a job, it was a dream of a fourteen-year-old boy that finally came true despite all odds!

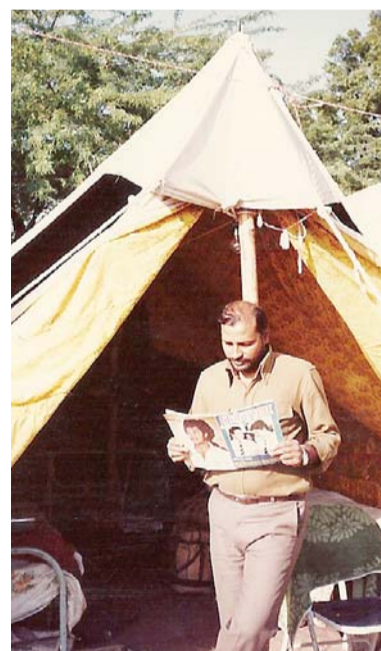


Jungle patrolling.

Though he has officially retired as a forest officer a decade ago, you will always see him wearing a forester's hat. He loves talking about tigers, birds, cheetahs and anything that moves. For Sunayan Sharma, the former director of Sariska and Keoladeo National Park, even after years of retirement, the jungle is where his heart is.

However, in his early years, forestry was never a career choice for Sunayan Sharma. His maternal grandfather Pandit Shival Sharma and father Pandit Vachaspati Shastri were well known freedom fighters. He has five brothers and one sister who have either been scholars or freedom fighters. Sunayan himself chose to study mechanical engineering because he felt that was the right thing to do at the time since mechanical engineering was much in demand. However, that was not his dream. He says, "When I was about fourteen years of age, a distant cousin who was a forest ranger had come for a wedding in the family in Agra. I was fascinated by his bevy of hats and attire. The cousin also regaled all of us with stories of the jungle which left a deep impression on me. However, during my growing up years, I decided to take up engineering since my elder brother was studying to be a doctor.

**Serendipity**  
But destiny had something else in store for this engineer. After finishing his course, Sunayan was working with Kamal and Company for a



Staying in camp pursuing Sr Wildlife management Course at WII, Dehradun.

luggage carriage project in Jaipur. He was on a look out for a better job because he wasn't satisfied with the one, he had. He says, "I had chosen mechanical engineering because it is said to be the best and the most in demand. However, I soon realized the paucity of jobs in this field. My classmates who were civil engineers got jobs but I had not got a good job. Those days I was staying with a cousin who knew of my fascination for the forest. One day, he found that the forest department had taken out a vacancy and he got the form right away. I was overjoyed to see the form. All I knew was that it was a key to getting a job in the forest as an officer."

Didn't the family members object? "I didn't ask any one when I enrolled into the course at the Wildlife Institute of India at Dehradun. But when they found out about the course, they weren't happy. But they did not protest

## #AFORESTER'SDIARY

much. Soon, they saw how happy I was and that was the end of their reservations."

When his marriage was being arranged, he was very candid with his wife-to-be. "I told her that she should be prepared for anything and everything. Most of the times, I was posted in the jungle while my wife and children lived in the closest town.

**No Regrets**  
So, does he regret missing his children's growing up years? He says, "If you want to be a real forester, you have to pass a lot of time in the jungle, which is a non-family station. Your family stays away. For example, I kept my family at Alwar during my posting in Sariska. So, I used

to visit them once in a week or eight days. Once my children had an annual function and my wife insisted that I should come. It so happened that on that very day I got the mountain behind the Sariska Palace and see the other side of the mountain which nobody had seen so far. I thought I would make it in time for the annual function. However, when I went there, I saw it was a full-fledged village. I interacted with the villagers, understood the place and by the time I came down the mountain, it was 9 pm and the children had already come back home from the function. But then, this is what my life has always been and my family knows that. My wife has been a single parent for most of her life. Luckily, our neighbour was Shama Sharma, who was former president's Shankar Dayal Sharma's sister-in-law. I used to use her phone to communicate with my family.

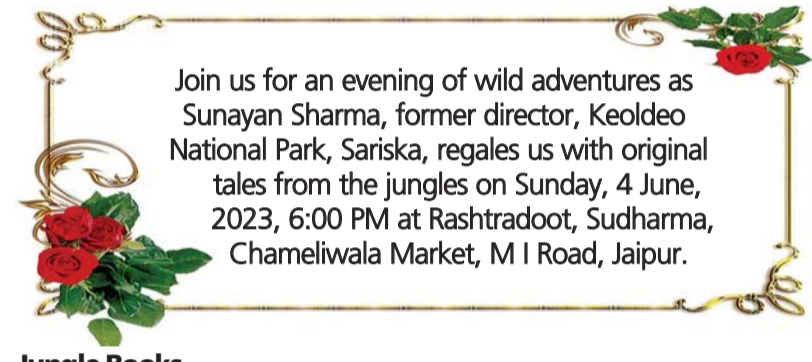


## World Cider Day

Made from crisp and juicy apples, cider is a beloved drink that has fans literally all over the world and, in some places, it has even developed a bit of a cult following. From the freshly pressed non-alcoholic variety to the hard-crafted hard ciders that offer a huge array of flavours, World Cider Day is meant to appreciate them all. A crisp, refreshing drink that embodies summers in a glass. Made from freshly pressed apples, it's the perfect companion for cosy evenings.



During Field Exercise in Jungles of Kullu in 1971.



Join us for an evening of wild adventures as Sunayan Sharma, former director, Keoldeo National Park, Sariska, regales us with original tales from the jungles on Sunday, 4 June, 2023, 6:00 PM at Rashtrdoot, Sudharma, Chameliwala Market, M I Road, Jaipur.

## Jungle Books

What impressed me was that he had a philosophy about forests that they are a valuable piece of life literally snatched from the greedy eyes of builders or the pressure of the population where schools could be built and hospitals could be erected and dwellings in lakhs could be made to accommodate the burgeoning population.

He believed that it is the duty of the forest department to honour this sacrifice of the society and the people. He frankly admits that he did not join the forest services for this great philosophy but joined it for the glamour. The young lad struck by the glamour of his cousin who used to wear different hats.

He also explains how he came to write books about the wild life. He says, "the forests can be preserved only if the general public has a desire to protect it. Hence writing books now to activate the imagination of the masses again became essential to keep the interest of the public alive."

Most of them are about his experiences in the jungle. What's more is

he says that almost after 90 years of Jim Corbett there was almost a lull in writing about forests. The narrative of these books was exciting and involved the tiger and other animals. But with the ban on shikar those narratives disappeared. Almost after 50-60 years, Sunayan Sharma wrote these books to describe the beauty, uniqueness, mystique of the forests.

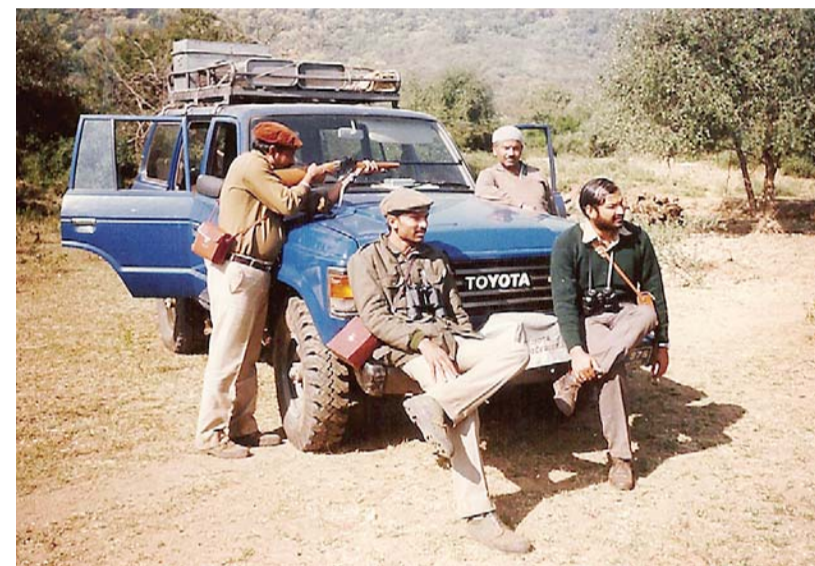
These books after his retirement in 2010 to describe the beauty, uniqueness, mystique of the forests. He says, "the forests can be preserved only if the general public has a desire to protect it. Hence writing books now to activate the imagination of the masses again became essential to keep the interest of the public alive."



During the annual wildlife census at Sariska.



Sunayan Sharma with his wife Dr Renu Sharma.



Field Exercise -Training at WII.

that before he decided to write, he enrolled for a master's course in English literature to fine tune his writing skills. Sunayan says, "I not only wanted to fine tune my English skills but also read the classics of English."

His stories about the jungle are fascinating. They are about his myriad experiences like how he and his team were surrounded by elephants or how he narrowly escaped a tiger or even how he almost saw a ghost in the jungle. How does he remember all these incidents? "From the time I became a forest officer, I used to keep a daily diary of all the events and happenings in the jungle. That was a mandate we

all had to follow. Over the years, I have recorded all these incidents in my diary and that is where my books come from."

## The Real Forests

What was the reason of putting these stories to paper? "I believe that most people don't even know what a forest feels like. At least, I didn't, till the time I actually started working as a forest officer. Forests have a stereotypical image in movies or media. I have spent thousands of nights in the jungle; most of the times in the chowkis where we had a non-descript charpoy to rest where my legs used to forever hang out. I believe spending nights like these have helped me to truly understand a jungle. Had I been one of those who just come like tourists and simply ask their staff about the happenings, who just nod their heads and go back to their merry lives, perhaps I wouldn't have ever gotten an idea of what a jungle is really like."

"I used to reach the chowki in the night, sit on my own, make a bonfire & have a couple of drinks. My driver would sit with the guard of the chowki and ask him about his society. Pedal cycles give even the poorest people in the world access to transport services. It's a chance for people to demand improvements to road safety and cycling mobility through a change in policies and measurable activity that protects and promotes the safety of riders and pedestrians."

"I have made chowkis in places which no one could dream of. I had my own design and style of making these chowkis. I used to build these two rooms on the ground floor and my room used to be on the first floor. That is where I spent most of my time in the course of my career."

To be continued...  
rajeshsharma1049@gmail.com

## #FITNESS

### World Bicycle Day



The bicycle is one of the most beneficial inventions for your personal health and for the health of the environment. Get out and get some sustainable exercise.

The bicycle is one of the most important inventions in the history of the planet. It provides millions of people with a means of transport powered by nothing other than their bodies. It's practical, reliable, and helps one to stay fit. Many find that it's a fun and hassle-free way to get around and take care of daily tasks.

Investing in pedestrian and cycle routes in cities can help cut the rate of deaths while also taking traffic off the roads and investing in safer modes of intra-city travel. Promoting cycling can also help to reduce poverty.

The theme for this year is "Riding Together for a Sustainable Future." As we celebrate World Bicycle Day, here we look at some of the health benefits of cycling:

**Weight Control**  
Cycling raises metabolic rate, builds muscle and helps in burning body fat. When combined with a healthy eating regime, cycling can prove to be an effective way in reducing weight. Research has shown that a good hour of cycling can help in burning 400 to 1000 calories, subject to the intensity and the rider's metabolism.

**Improved Cardiovascular Health**  
Cycling as a regular activity can help you deal with high blood pressure issues and might avert many heart-related issues. Cycling often helps in boosting your heart's health and many times minimizes the risk of cardiac arrest and other such issues.

**Boost Lungs' Health**  
Regular cycling can also increase the health and stamina of your lungs. During cycling, the lungs get a regular supply of fresh oxygen and the increased breathing rate allows the development of muscles around the lungs.

**Boosts Mental Health**  
Cycling can be helpful in easing feelings of stress, depression, or anxiety. Cycling is also helpful in social well-being and inculcates the feeling of personal mastery and solidarity.



## THE WALL



## BABY BLUES



## ZITS



By Rick Kirkman & Jerry Scott

By Jerry Scott & Jim Borgman



# सांभर में गढ़ानी मार्केट की पांच दुकानों की बालकनी एक साथ गिरी

बेकरी के संचालक की हादसे में दर्दनाक मौत, तीन घायलों को जयपुर रैफर किया

सांभरझील, (निर्स)। पृथ्वीराज चौहान सर्किल के नजदीक गढ़ानी मार्केट की पांच दुकानों की बालकनी एक साथ भरभरा कर धराशायी हो गई, जिसमें अर्पिता बेकरी के संचालक व कांग्रेस नेता राकेश कश्यप की हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। छत पर हेमर चला रहा धर्मचंद कुमावत बालकनी के मलबे के साथ ही नीचे आ गया। मृतक व पास की दुकान पर काम करने वाले दो कर्मचारी भी गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें भी गंभीर अवस्था में इलाज के लिए जयपुर के सवाई मानसिंह चिकित्सालय रेफर किया गया। हादसा आज सुबह करीब 10:30 उस वक्त हुआ जब दुकानों की मरम्मत करने के लिए छत पर हेमर चलाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि छत इतनी कमजोर व बारिश के पानी की सीलन व नमी से अंदर से इतनी झुक गई थी कि वह हेमर के प्रेशर को सहन नहीं कर सकी। बताया यह भी जा रहा है कि काम करने वाले ठेकेदार ने सुरक्षा और सावधानी का बिना ख्याल रखे ही काम शुरू करवा दिया और गंभीर हादसा घटित हो गया। आचानक तेज आवाज



सांभर में गढ़ानी मार्केट की पांच दुकानों की बालकनी गिर गई।

के साथ पांचों दुकानों की बालकनी गिरने के बाद वहां पर जबरदस्त अफरा-तफरी मच गई और आसपास के दुकानदारों ने मौके पर पहुंचकर भारी-भरकम पट्टी वे मलबे के नीचे दबे राकेश कश्यप को बमशिकल निकाला। मलबे को हटाने के लिए आनन-फानन में जेसीबी मंगवाई गई। जानकारी के अनुसार लंबे समय से इन पांच दुकानों की मरम्मत कराने का काम विचाराधीन चल रहा था, जिसे कुछ दिनों पहले ही फाइनल किया गया। घटना की जानकारी कस्बा में आग की तरह फैल गई और देखते देखते मौके पर हजारों लोग इकट्ठे हो गए वहीं अस्पताल परिसर के आसपास सैकड़ों की संख्या में लोग जुटने शुरू हो गए। मृतक की पत्नी व उनके परिजनों को हादसे की जानकारी मिली तो वह भी अस्पताल पहुंच चुके थे। पत्नी उनके परिजनों का रोते देख आसपास के लोग भी अपने आंसू नहीं रोक सके और परिचितों ने जैसे जैसे स्थिति को संभाला। मौके पर दुकानों के मालिक व भाजपा पार्षद अनिल कुमार गढ़ानी भी पहुंच चुके थे, एक बार स्थिति कंट्रोल से बाहर होने लगी तो पुलिस की पत्नी व उनके परिजनों को हादसे की जानकारी मिली तो वह भी अस्पताल पहुंच चुके

■ हादसा उस वक्त हुआ जब दुकानों की मरम्मत करने के लिए छत पर हेमर चलाया जा रहा था

मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता काजी जीएच उस्मानी, नजमुल हसन उस्मानी, प्रदेश युवक कांग्रेस के पूर्व महामंत्री दिनेश शर्मा, अधिवक्ता कृष्ण कुमार पारीक, नगर कांग्रेस अध्यक्ष कमल शुक्ला, जितेंद्र डांगरा, पार्षद विजय प्रजापत, महेंद्र कुमावत सहित अनेक जनप्रतिनिधि अस्पताल में पहुंचे। सांभर डिप्टी लक्ष्मी सुथार से मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलवाने का पक्ष रखा। सांभर थाना अधिकारी राजेंद्र कुमार यादव ने लोगों से समझाइश कर शांत कराया। जनप्रतिनिधियों व पुलिस प्रशासन के बीच हुई वार्ता के बाद दुकान मालिक अनिल कुमार गढ़ानी ने मृतक के परिजनों उचित मदद का आश्वासन दिया।

# प्रशासन की अनदेखी से टूटे पिलर और छज्जे लावारिश हालत में

चूरू के ऐतिहासिक धर्म स्तूप को गत दिनों आये आंधी-तूफान ने किया था क्षतिग्रस्त

चूरू/जयपुर, (कांस)। चूरू की अस्मिता और आजादी के प्रतीक लाल घंटाघर के नाम से ख्यात धर्म स्तूप को पिछले सप्ताह आंधी आंधी और तूफान ने क्षतिग्रस्त कर दिया है। क्षेत्रीय पार्षद राज कुमार सारस्वत ने बताया कि पिछले सप्ताह आंधी और तूफान से धर्म स्तूप के आठ में से छह पिलर और छज्जे तथा गुमटियां क्षतिग्रस्त हो गईं। सारस्वत ने बताया कि इस घटना के एक सप्ताह बाद भी शासन प्रशासन और नगर परिषद ने इसकी सुध बुध नहीं ली है जिससे टूटे गए ऐतिहासिक पिलर और छज्जे लावारिश पड़े हैं। यहाँ लगाए गए होर्डिंग, बैनर और पोस्टर आदि से भी यह ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल पहले से ही बदरंग पड़ा है। चूरू निवासी प्रमुख पत्रकार और लेखक बाल मुकुंद ओझा ने बताया कि चूरू के स्टेजियन रोड स्थित मुख्य मार्ग पर इंद्रमणि पार्क के सामने स्थापित इस ऐतिहासिक धर्म स्तूप का निर्माण स्वामी गोपाल दास के प्रयासों से 1925 में शुरू हुआ था। आजादी के 17 साल पूर्व यानी 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता सेनानी चंदनमल बहड़, भालचंद्र शर्मा और महंत गणपतदास आदि ने धर्म स्तूप पर तिरंगा फहराया था। अंग्रेजों के राज में तिरंगा फहराने के बाद बहड़ और उनके साथियों को काफी यातनाएं भी झेलनी पड़ी थी। इस घटना से बीकानेर रियासत में हड़कंप मच गया था। चूरू के धर्म स्तूप को लाल



चूरू में लाल घंटाघर के नाम से ख्यात धर्म स्तूप को तूफान ने क्षतिग्रस्त कर दिया।

लाल पथरों से किया गया था। स्तूप के अंदर भगवान श्री कृष्ण, महावीर, गुरु नानक, महात्मा बुद्ध जगदम्बा और शंकराचार्य की मूर्तियां स्थापित हैं।

# सिलारपुर के सरपंच पति की हत्या का खुलासा, साजिशकर्ता गिरफ्तार

हत्या की साजिश षडयंत्र के तहत घटना से 10 दिन पूर्व रची गई थी

बहरोड़/भिवान्डी, (निर्स)। नीमराना के सिलारपुर गांव के सरपंच पति दिनेश यादव की 31 मई को ताबड़तोड़ गोली मारकर की गई हत्या के मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला पुलिस की भिवान्डी की गठित 6 टीमें द्वारा घटना के मास्टरमाइंड साजिश रचने वाले सरगना सत्य प्रकाश उर्फ सत्या उर्फ चिनिया को घटना से 48 घंटों में गिरफ्तार कर ब्लाइंड मर्डर का खुलासा किया। जिसमें सामने आया कि सरपंच पति दिनेश यादव की हत्या की साजिश षडयंत्र के तहत घटना से 10 दिन पूर्व रची गई। जिसमें घटना के मास्टरमाइंड सत्य प्रकाश उर्फ सत्या चिनिया द्वारा शर्प शूटर यशपाल व सचिन को हथियार व कारतूस उपलब्ध कराए गए और खुद दो दोस्तों के साथ हरिद्वार चला गया। जहां पर मुख्य सरगना द्वारा यशपाल व सचिन से संपर्क कर घटना



हत्या के मामले में साजिश रचने वाले सरगना को गिरफ्तार किया।

को अंजाम दिया गया। वहीं पुलिस पृष्ठताछ में सामने आया कि घटना के मामले में आरोपी द्वारा गहरी रंजिश के चलते गांव में अवैध अतिक्रमण हटाने तथा शराब के ठेके पर किसी बात को लेकर आपस में गंभीर मारपीट व पूर्व में चल रही रंजिश को लेकर ठान रखी थी कि मौका मिलते ही वह सरपंच पति दिनेश यादव को निबटा देगा। इसी के चलते आरोपी ने करीब एक साल पहले ही यूपी से हथियार खरीद कर रखे थे। मृतक सरपंच पति के भाई रमेश कुमार पुत्र श्रीराम यादव निवासी

सिलारपुर द्वारा नीमराना थाने में गांव में अवैध अतिक्रमण हटाने में चुनौती रंजिश को लेकर अभिमन्यु उर्फ पिंटू उर्फ जसवंत, अमित पुत्र जसवंत, सोनू पहलवान पुत्र रणवीर, जयवीर पुत्र सुंदरलाल गांव सिलारपुर व सत्य प्रकाश उर्फ सत्या उर्फ चिनिया पुत्र हिमन्त, विरेन्द्र पुत्र बुगाराम नाथोडी व अन्य लोगों द्वारा षडयंत्र रच कर घात लगाकर हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। नीमराना थाना अधिकारी संजय शर्मा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक भिवान्डी अनिल कुमार बेनीवाल के घटना के मामले में ग्रामीणों को दिए गए आश्वासन के अनुसार पुलिस की 6 टीमें द्वारा घटना से 48 घंटों में सरगना के मास्टरमाइंड सत्य प्रकाश उर्फ सत्या उर्फ चिनिया पुत्र हिमन्त को गिरफ्तार किया गया है।

प्रमाण पत्रों के सत्यापन का कैलेंडर जारी

बांसावाड़ा, (निर्स)। राज्य में करीब एक दशक बाद हुई राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा 'आर सेट-2023' का अंतिम परीक्षा परिणाम पिछले सप्ताह जारी होने के बाद अब अंतरिम रूप से पात्र घोषित अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों के सत्यापन का कैलेंडर गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय जोर्जोटीयू बांसावाड़ा ने जारी कर दिया है। कुलपति प्रो.आई वी त्रिवेदी ने बताया कि राज्य में करीब दस वर्षों के बाद राज्य पात्रता परीक्षा के आयोजन का जिम्मा राज्य सरकार ने जीओटीयू को दिया। परीक्षा का आयोजन 26 मार्च को होने के बाद पिछले माह ही 18 मई को अंतिम परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया। इस परिणाम में अंतरिम से पात्र घोषित अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र मिलने में देरी न हो और आगामी महाने राज्य में कॉलेज शिक्षा में सहायक आचार्य पदों विज्ञापित जारी होने की संभावना को देखते हुए विश्वविद्यालय पात्र को हाथों-हाथ प्रमाण पत्र मिल सके, इसलिए विधिवत योजना द्वारा प्रमाण पत्रों का भौतिक सत्यापन करवा रहा है।

# आई.ए.एस. कानाराम को मा. शिक्षा निदेशक का जिम्मा सौंपा

बीकानेर, (निर्स)। रीट पेपर लीक प्रकरण में आरोपी वाइस प्रिंसिपल अनिल कुमार मीणा का शेर सिंह मीणा का परमोशन करने और बाद में पोरिंग देने की लापरवाही मामले में पद से हटाए गए गौरव अग्रवाल को अब कृषि एवं पंचायत राज विभाग में आयुक्त बनाया गया है। वहीं, इसी पद पर काम कर रहे आईएस अधिकारी कानाराम को माध्यमिक शिक्षा निदेशक का जिम्मा सौंपा गया है। कानाराम पहले ही कुछ समय के लिए निदेशक रह चुके हैं। सामान्य प्रशासन विभाग में शुक्रवार सुबह जारी एक आदेश में कानाराम को माध्यमिक शिक्षा निदेशक बनाया गया है। इसी आदेश में गौरव अग्रवाल को कृषि एवं पंचायत राज विभाग का आयुक्त का जिम्मा सौंपा गया है। कानाराम पूर्व में बहुत कम समय के लिए माध्यमिक शिक्षा निदेशक रहे थे, अब एक बार फिर उन्हें ये जिम्मेदारी मिल गई है। प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक

# खंडीप स्टेशन के पास मिला शव

गंगापुर सिटी, (निर्स)। वजीरपुर उपखंड क्षेत्र के खंडीप गांव में गुरुवार शाम को शव मिलने पर वजीरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर गंगापुर गवर्नमेंट हॉस्पिटल की मार्च्युरी में मृतक को शिनाख्त कराया। थानाधिकारी योगेंद्र शर्मा ने बताया कि खंडीप गांव के स्टेशन के पास शव पड़ा होने की सूचना मिलने पर वे पुलिस दल के साथ में मौके पर पहुंचे। शव बुरी तरह से क्षत-विक्षत हो चुका था और घड से सिर तक का हिस्सा बुरी तरह से जख्मी हो गया था। शव मिलने की सूचना थोड़ी देर में आग की तरह फैल गई और काफी संख्या में मौके पर ग्रामीण जमा हो गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर गंगापुर लेकर आई और यहां गवर्नमेंट हॉस्पिटल की मार्च्युरी में मृतक को शिनाख्त के लिए रखवाया। थाना अधिकारी ने बताया कि मृतक ने नीले रंग की शर्ट और नीले रंग का पैंट पहना हुआ है। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष के आसपास है।

# अज्ञात वृद्ध का शव क्षत-विक्षत हालत में मिला

धौलपुर, (निर्स)। मनियां क्षेत्र में नेशनल हाईवे संख्या 44 पर गुरुवार देर शाम एक अज्ञात वृद्ध का शव क्षत-विक्षत हालत में मिला है। प्रथम दृश्य वृद्ध की मौत बाहन की टक्कर से होना सामने आया है। वहीं वृद्ध की पहचान नहीं हो सकी है। जिस पर मनियां थाना पुलिस का अनुसंधान जारी है। थाना भरपरी लाखन सिंह ने बताया कि नेशनल हाईवे पर

■ वाहन की टक्कर से मौत होने की आशंका

दंडोली मोड़ के पास एक अज्ञात वृद्ध का शव क्षत-विक्षत हालत में पड़ा होने की सूचना मिली। शव को कब्जे में लेकर आसपास के ग्रामीणों से मृतक की पहचान कराने की कोशिश की। लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो सकी। जिस पर थाना

पुलिस ने शव को मनिया मोर्चरी में रखवाया है। प्रथमदृश्य वृद्ध की मौत वाहन की टक्कर से होने की आशंका जताई जा रही है। थाना भरपरी ने बताया कि वृद्ध की उम्र लगभग 45 से 50 साल होने की संभावना है। मृतक सफेद कलर की शर्ट एवं सलेटी कलर का पैंट पहने हुए हैं। थाना पुलिस ने मृतक की पहचान के लिए अन्य यंत्र थानों को सूचित किया है।

# तस्करी का वांछित आरोपी गिरफ्तार

बीदासर, (निर्स)। स्थानीय बीदासर पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के अपराध में पंजाब के एक युवक को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू राजेश कुमार मीना आई.पी.एस. से प्राप्त जानकारी के अनुसार महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर रंज बीकानेर के निर्देशासार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजानाह सुनील कुमार आरपीएस व नृत्ताधिकारी प्रहलादराय आरपीएस वृत्त बीदासर के निकट

# दहेज हत्या का मामला दर्ज

राजगढ़, (निर्स)। बेरें ग्राम में दहेज की मांग को लेकर विवाहिता की हत्या करने का मामला ससुराल पक्ष के लोगों के विरुद्ध दर्ज हुआ है। सुरजन ने मामला दर्ज कराया कि उसकी भतीजी मनीषा की शादी राहुल मीणा निवासी बेरें के साथ 2 वर्ष पूर्व हुई थी। दहेज की मांग को लेकर मेरी भतीजी को आए दिन ससुराल पक्ष के लोग प्रताड़ित करते रहते। गुरुवार को मेरी भतीजी के साथ पति राहुल, ससुर जलधारी सहित अन्य लोगों ने मिलकर मारपीट की। मारपीट के चलते मेरी भतीजी की मौत हो गई।

# कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

धौलपुर, (निर्स)। जिले के मनियां क्षेत्र में नेशनल हाईवे संख्या 44 पर एक बाइक सवार को कार ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार की मौत हो गई। वहीं चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया। थाने के एएसआई श्रीकेश ने बताया कि गुरुवार देर शाम बहादुर पुत्र फूलसिंह उम्र करीब 29 साल अपने गांव सिंघावली से बाइक पर सवार होकर एक फेक्ट्री में नौकरी करने जा रहा था। तभी रास्ते में नेशनल हाईवे संख्या 44 पर एदलपुर चौराहे के पास पीछे से आ रही

कार ने टक्कर मार दी। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायल युवक को जिला अस्पताल धौलपुर भर्ती कराया। जहां युवक की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे रेफर कर दिया। तभी रास्ते में ले जाते समय घायल युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मनिया मोर्चरी में रखवाया तथा शुक्रवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

# नौकरी का झांसा देकर 8.76 लाख रुपए के ठगे

बहनोई ने युवती को बैंकॉक ले जाकर बनाया बंधक

अनूपगढ़, (निर्स)। गांव 3 एपीएम की एक युवती के साथ उसके बहनोई के द्वारा विदेश में अच्छी नौकरी दिलवाने के बहाने 8 लाख 76 हजार की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवती ने इस्तगासे के जरिए अनूपगढ़ पुलिस थाने में अपने बहनोई के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है। अनूपगढ़ पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार गांव 3 एपीएम में रहने वाली सतवीर कौर (18) पुत्री जगसीर सिंह ने आरोप लगाया है कि गुरप्रीत सिंह पुत्र गुरमोहन सिंह निवासी गांव 14 एएमएल तहसील रायसिंहनगर उसका बहनोई लगता है। गुरप्रीत सिंह ने सतवीर कौर के पिता से कहा कि अगर वह उसे 6 लाख देते हैं तो वह सतवीर कौर को स्टडी विजा पर बैंकॉक ले जाएंगे और उसे वहां पर अच्छी नौकरी दिलवाएंगे। सतवीर कौर के पिता ने गुरप्रीत सिंह पर विश्वास कर उसे 6 लाख दे दिए। गुरप्रीत सिंह सतवीर कौर को बैंकॉक ले गया। सतवीर कौर ने अपने बहनोई पर आरोप लगाया है कि बैंकॉक जाकर गुरप्रीत सिंह ने फीस के

■ चंगुल से निकलकर युवती घर पहुंची

नाम पर उससे 2 लाख 76 हजार भी ले लिए। मामले के अनुसार सतवीर कौर ने बताया कि गुरप्रीत सिंह उसे अपने ही घर पर रखता था और घरवालों से बात भी नहीं करने देता था और जब भी वह गुरप्रीत सिंह से घरवालों से बात करने के लिए कहती तो गुरप्रीत सिंह उसे जान से मारने की धमकी देता। सतवीर कौर ने दर्ज मामले में बताया कि वह बड़ी मुश्किल से बैंकॉक से दिल्ली आई है। दिल्ली आकर उसने अपने पिता को फोन किया तो उसके पिता दिल्ली पुलिस की सहायता से सतवीर कौर को दिल्ली से अनूपगढ़ लेकर आए। सतवीर कौर ने अपने बहनोई गुरप्रीत सिंह पर आरोप लगाया है कि गुरप्रीत सिंह ने उसे विदेश ले जाने और अच्छी नौकरी दिलाने के बहाने 8 लाख 76 हजार की ठगी की है।

# संदिग्ध घूम रहे तीन गिरफ्तार

सुजानगढ़/बीदासर, (निर्स)। साण्डवा थानान्तर्गत गांव ज्याक में ग्रामीणों की सजगता से पकड़े गये तीन संदिग्ध खुंखार चोर निकले। साण्डवा थानाधिकारी हंसराज लूणा ने बताया कि ज्याक गांव के ग्रामीणों ने गुरुवार दोपहर को गांव में बाइक पर घूम रहे संदिग्ध व्यक्तियों को रूकवा कर साण्डवा पुलिस को सूचना दी। थानाधिकारी हंसराज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी उमामाराम पुत्र बग्सा राम बावरी के खिलाफ 31 मामले चोरी, नकबजनी के विभिन्न धानों में दर्ज हैं। उमामाराम ए ग्रेड का हिस्ट्रीशीटर भी है। इसके अलावा दूसरे आरोपी मुकेश पुत्र उमामाराम बावरी के खिलाफ आठ चोरी के मामले विभिन्न धानों में दर्ज हैं। राजेन्द्र पुत्र ओमप्रकाश के खिलाफ मारपीट, लूट के तीन मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपी मुकेश जसरासर से बाइक चुराकर ज्याक की तरफ आया था। पुलिस ने बताया कि तीनों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पृष्ठताछ में जुटी है। गौरतलब है कि ज्याक गांव के ग्रामीणों ने गुरुवार को गांव में बिना नम्बरी बाइक पर घूम रहे थे। जिससे ग्रामीणों ने पृष्ठताछ की तो वे सही जवाब नहीं दे पाये। जिसके बाद ग्रामीणों ने उन्हें पकड़कर पुलिस को सूचना दे दी।

# तहसीलदार के कक्ष में पटवारी का फंदे से लटकता शव मिला

गुलाबपुरा एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस उप अधीक्षक व थाना अधिकारी मौके पर पहुंचे



घटना के बाद पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाये।

विगत दिनों ही उनका स्थानांतरण हुड़टा तहसील क्षेत्र में हुआ था। मृतक पटवारी संदीप मीणा की मौत की खबर पुलिस एवं प्रशासन ने सीकर जिले के थोड़ गांव का रहने वाला है,

वाल्लों को दी। जहां दोपहर तक पटवारी के परिजन हुड़टा तहसील पहुंचे, उसके बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा कि आखिर पटवारी संदीप ने आत्महत्या क्यों की। मौके पर एफएसएल टीम

पहुंच गयी है जहाँ वीडियोग्राफी करवा कर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। इस दौरान संदीप का लिखा हुआ सुसाइड नोट भी मिला है, व शराब की बोतलें भी मिली हैं, वहीं मृतक खुद बाजार से रस्सी लेकर

तहसील पहुंचा था। सबसे बड़ा सवाल जहां तहसील कार्यालय रात को बंद था, ऐसे में तहसील कार्यालय का मुख्य द्वार कैसे खोला गया और तहसीलदार का चेंबर का ताला कैसे खोलकर संदीप ने तहसीलदार के चेंबर में ही फांसी के फंदे से अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी।

# जल-जीवन मिशन के नाम पर की जा रही अवैध वसूली को रोकने की मांग

मालपुरा, (निर्स)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के 126 गांवों में चल रहे व पूर्ण हो चुके जल-जीवन मिशन के तहत घर-घर नल कनेक्शन देने के नाम पर दलालों द्वारा की जा रही अवैध वसूली व धांधली को लेकर ग्रामीणों द्वारा उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंप धांधली को रोक धांधली में शामिल जनप्रतिनिधि, सरकारी कार्मिक व दलालों से राशि वसूल कर गरीब ग्रामीणों को लौटाई जाने की मांग की जा रही है।

बीते दिन चैनपुरा पंचायत के बस्सी व अरनियां के ग्रामीणों ने पंचायत समिति विकास अधिकारी को धांधली को लेकर ज्ञापन सौंपा। शुक्रवार को किरावल के ग्रामीणों ने एसडीएम महिपाल सिंह को ज्ञापन सौंप धांधली को जंच व दोषियों पर कार्यवाही की मांग की। सौंप ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि सरपंच व सचिव के इशारे पर कई दलाल नल कनेक्शन के नाम पर 3 हजार व 3500 की राशि वसूल रहे हैं। जिसकी रसीद भी नहीं दी जा रही है। कई गांवों में रसीद तो दी गई लेकिन ना तो उन पर तारीख और ना ही राशि लेने वाले के हस्ताक्षर किये जा रहे हैं।



किरावल के ग्रामीणों ने एसडीएम महिपाल सिंह को ज्ञापन सौंपा।

किरावल पंचायत में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 3 हजार रुपये की राशि निर्धारित की गई थी। लेकिन दलालों ने ग्रामीणों से 3200 रुपये पर कनेक्शन वसूल कर लिये। जिनकी रसीदों को ग्रामीणों को रसीदें तक नहीं दी गईं। जिन्हें दी गईं उन्हें 3 हजार रुपये की रसीद दी गई है। ग्रामीणों ने

बताया कि राज्य सरकार ने बजट घोषणा में जल-जीवन मिशन के तहत ग्रामीणों से निर्धारित की गई राशि माफ कर निःशुल्क कनेक्शन की घोषणा के बावजूद आज भी सरपंच व सचिव सहित ठेकेदार की सांट-गांठ से बिचोलिये दलाल ग्रामीणों से कनेक्शन के नाम पर राशि वसूल रहे हैं।

मामले को लेकर पीएचईडी एक्सप्लेन संदीप बाटड से जानकारी चाही तो उन्होंने बताया कि सरकार व विभाग के निर्देशों पर जल-जीवन मिशन के तहत घर-घर नल कनेक्शन किये जाने व उनकी देखरेख व मैन्टेनेंस के लिए जनसहभागिता राशि निर्धारित कर इसकी वसूली के लिए जल एवं स्वच्छता

## साथी कारपेंटर का पैर काटा

देवली, (निर्स)। शहर के पेट्रोल पंप चौराहे के समीप स्थित एक भवन में चल रहे फर्नीचर के काम के दौरान दो कारपेंटर परस्पर उलझ पड़े। विवाद इतना बढ़ गया कि एक ने अपने दूसरे साथी पर जानलेवा हमला कर दिया।

पीड़ित के पचा बयान वह परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस थारा 307 के तहत मामला दर्ज कर जांच कर रही है। थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद ने बताया कि उक्त घटना स्थल शहर के मुख्य रोड स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा भवन के ऊपरी मंजिल पर है। उन्होंने बताया कि यहाँ मकान में ब्यावर के दो कारपेंटर फर्नीचर का काम कर रहे थे। जिनमें किसी बात को लेकर विवाद हो गया। फिलहाल यह सामने आया कि दोनों के बीच किसी तरह पुराने लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। इस पर आरोपी सुनील खाती निवासी ब्यावर ने अपने साथ काम कर रहे मदन खाती पर सिर पर दे मारी। इससे मदन के सिर पर 18 टांके आए।

वहीं इससे मन नहीं भरा तो आरोपी सुनील ने मदन की दाईं जांच पर फर्नीचर के काटिंग काम में आने वाला ग्लेंडर चला दिया। इससे मदन की जांच कट गई। वहीं मौके पर काफी खून के फव्वारे फूट गए। विवाद की आवाज व चिल्लाने का शोर सुनकर मकान मालिक ऊपर पहुंचे तो उन्होंने दोनों को अलग किया तथा पुलिस को सूचना दी।

## सार-समाचार

### अमिषा ने नाम रोशन किया

मंडावरी, (निर्स)। नगर पालिका क्षेत्र की रहने वाली अमीषा सोनी ने दसवीं कक्षा सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा परिणाम में 97.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली अमीषा सोनी लालसोट के एक निजी विद्यालय में अध्ययनरत है। वहीं पढाई लिखाई में अव्वल होने के चलते परिवार जनों द्वारा उसे कोटा जिला मुख्यालय स्थित कोविंग सेंटर में आगामी परीक्षा की तैयारी करवाई जा रही है। छात्रा सोनी का बचपन से ही डॉक्टर बनने का लक्ष्य निर्धारित किया हुआ था ऐसे में परिवार भी उसका भरपूर साथ दे रहा है। साथ ही सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा परिणाम में अच्छे अंक अर्जित करने के बाद परिवार का विश्वास और ज्यादा पक्का हुआ है। छात्रा अमीषा द्वारा विज्ञान एवं सोशल साइंस सहित गणित में शत प्रतिशत अंक अर्जित करने के साथ अन्य विषयों में डिक्लेशन प्राप्त की गई है। छात्रा अमीषा ने विशेष वार्ता में बताया कि इस सफलता में उनको परिवार एवं विद्यालय के गुरुजनों का विशेष सहयोग रहा है।

अच्छे अंक अर्जित करने के बाद परिवार का विश्वास और ज्यादा पक्का हुआ है। छात्रा अमीषा द्वारा विज्ञान एवं सोशल साइंस सहित गणित में शत प्रतिशत अंक अर्जित करने के साथ अन्य विषयों में डिक्लेशन प्राप्त की गई है। छात्रा अमीषा ने विशेष वार्ता में बताया कि इस सफलता में उनको परिवार एवं विद्यालय के गुरुजनों का विशेष सहयोग रहा है।

### श्रीमाधोपुर स्कूल का परिणाम शानदार

श्रीमाधोपुर, (निर्स)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीमाधोपुर के प्रधानाचार्य राजेश कुमार अंकुर ने बताया कि उनके विद्यालय में 10 वीं कक्षा का परिणाम भी शानदार रहा है। 10 वीं में छात्र अजय योगी पुत्र राजेन्द्र योगी ने 92.67 प्रतिशत अंक प्राप्त करके विद्यालय टॉप किया है वहीं दूसरे स्थान पर शुभम सैनी पुत्र उदय सिंह सैनी 89.33 प्रतिशत अंक प्राप्त करके दूसरा स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय में कक्षा 10 में 92 बालक बालिकाएं उत्तीर्ण हुए हैं जिनमें 37 प्रथम श्रेणी, 44 द्वितीय श्रेणी व 11 छात्र तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं। विद्यालय के संस्था प्रधान प्रधानाचार्य राजेश कुमार अंकुर द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले अजय योगी को स्वयं के खर्च से निशुल्क हवाई यात्रा करवाएंगे। विद्यालय कार्मिकों ने टॉपर बच्चों के घर जाकर माला ,साफा ,प्रतीक चिन्ह देकर व लड्डू खिलाकर सम्मान करते हुए बच्चों के अभिवावकों का भी सम्मान किया।

### आम सभा का बहिष्कार किया

कोटपुतली, (निर्स)। स्थानीय पंचायत समिति सभागार में शुक्रवार को प्रस्तावित आम सभा बैठक का पंचायत समिति सदस्यों ने बहिष्कार किया। साथ ही पंचायत समिति सदस्य संघ स्थानीय शाखा कोटपुतली के सदस्यों ने राजस्थान पंचायत समिति सदस्य संघ के आह्वान पर अपनी 9 सूत्रीय मांगों को लेकर बोडीओ शशिबाला वर्मा को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव के नाम ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में 9 सूत्रीय मांगों के साथ-साथ संघ के सदस्यों ने प्रतिनिधि मण्डल के मिलने का समय भी मांगा है। इस दौरान संघ के अध्यक्ष विक्रम सिंह फाईनेंसर, उप प्रधान मंजू देवी समेत सावित्री देवी, सुषमा मीणा, चम्पा मीणा, मोनो सिंह, दर्याम रावत, बीना देवी, मिनाक्षी देवी, संतोष देवी, हंसराज, पुजा देवी, प्रभुमार, संजय, कौशल्या देवी, शोभा देवी, ईशा कंवर व बर्फी देवी आदि सदस्यगण शामिल थे।

### संगीता ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किये

श्रीमाधोपुर, (निर्स)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर द्वारा दसवीं के परीक्षा परिणाम में संगीता खिजाराण्या ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। संस्था के सचिव कर्मवीर सिंह चौशल्या ने बताया कि रींगस रोड स्थित चॉसल्या चिल्ड्रन एकेडमी सेकेंडरी स्कूल की छात्रा संगीता खिजाराण्या ने दसवीं कक्षा के परिणाम में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। संस्था निदेशक शंकर सिंह घोसल्या ने बताया कि संगीता के अतिरिक्त प्रिया चोपड़ा ने 95 प्रतिशत, निकिता बघाला ने 92.17 प्रतिशत, मनीष कुमार ने 91.83 प्रतिशत, कृष्णा और रितिका मिल ने 90.67 प्रतिशत, मानसी चौधरी ने 90.33 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

## वंशिका, तनीशा व सुनील टॉपर

निवाड़े, (निर्स)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर के शुक्रवार को जारी कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में उच्च माध्यमिक सरस्वती विद्या मंदिर का परिणाम शत प्रतिशत रहा है। प्रधानाचार्य सुरेशचन्द्र पारीक ने बताया कि कुल 218 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। जिनमें प्रथम श्रेणी से 107 विद्यार्थी, द्वितीय श्रेणी से 46 विद्यार्थी तथा तृतीय श्रेणी में 65 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। सर्वाधिक अंक छात्रा तनीशा अग्रवाल पुत्री प्रेमचन्द अग्रवाल ने 97.67 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। बालिका विभाग की प्रभारी सीमा माथुर ने बताया कि 11 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का विद्यालय समिति के अध्यक्ष रामराय विजय, व्यवस्थापक ताराचंद माहुर व अन्य पदाधिकारियों सहित विद्यालय परिवार ने

बधाई देकर सम्मानित किया है। उन्होंने बताया कि रोनक टोडवाल ने 96.17 प्रतिशत, छात्रा दीपा चौधरी ने 94.83 प्रतिशत, रश्मि विजय ने 93.83 प्रतिशत, खुशी जैन ने 91.17 प्रतिशत, अक्षिता मीणा ने 91.83 प्रतिशत प्राप्त किए हैं। इसी प्रकार वंशिका पब्लिक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल का परीक्षा शत प्रतिशत रहा है। विद्यालय के निदेशक विमलेश गोेलम ने बताया कि सुनिल सिंह ने सर्वाधिक 97.67 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इसी प्रकार कुमकुम राजवात ने 95, शिवानी शर्मा ने 94.50, अंजली कंवर ने 93.67, साक्षी चौधरी 93.17, शिवाला सेवलिया 92.67, तन्व चौधरी ने 91.50, कृष्णा शर्मा ने 91.17, जीवांश शर्मा ने 90.83, उदकेश मीणा 90, पीयूष प्रजापति ने 89.50, रोहित चौधरी ने 88.17 एवं सन्याक सिंघल ने 87 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है।

## बरसी उत्सव में श्रद्धालु उमड़े

खैरथल, (निर्स)। कस्बे के आनन्द नगर में स्थित स्वामी ध्यानगिरि आश्रम (शिवालय) में शुक्रवार को स्वामी गोविन्दगोरी महाराज के सानिध्य में स्वामी गोपालगिरि महाराज 18वीं बरसी उत्सव में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रभारी स्वामी गोविन्दगिरि महाराज ने कहा कि नश्वर संसार में परमात्मा का सुमिरन करना ही सबसे बड़ा सहारा है। प्रभु का ध्यान लगाने से सब दुखों से मुक्ति मिलती है। सत्संग में राजकोट गुजरात से बसुमल कुंदनानी, गोधुमल बच्चानी, गौरव चंदानी, दीपू चंदानी, विक्रम सोनी, रवि सोनी, ने भजन की संगीतमय प्रस्तुति से वातावरण को धर्ममय बना दिया। प्रातः 10:15 बजे भोग प्रसादी वितरित की गई। जिसमें सैकड़ों महिला- पुरुषों ने प्रसादी ग्रहण कर मन्नतें मांगी।

## विकास कार्यो का लोकार्पण

दौसा, (निर्स)। कृषि विपणन मंत्री मुरारी लाल मीणा ने कहा कि मेरा लक्ष्य था कि दौसा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक प्रत्येक गांव में आधारभूत सुविधाएं हों आज क्षेत्र के प्रत्येक गांव में जाकर देख सकते हैं उनके द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भरपूर विकास कार्य कराए गए हैं। कृषि विपणन मंत्री व दौसा विधायक मुरारी लाल मीणा गुरुवार को ग्राम पंचायत चौरडी में एनएच 148 बापी भट्टे से शिव रामपुरा सड़क का व मिंसिंगलिक योजना नगर्गत चैनपुरा से चौरडी सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण व पंचायत भवन बापी का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि पक्की सड़कें, उन्नत विद्यालय, चिकित्सा केंद्र, पेयजल सुविधा आदि कि समुचित उपलब्धता है। इसके साथ साथ गांवों का विकास



कृषि विपणन राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा ने ग्राम पंचायत चौरडी में विकास कार्यो का लोकार्पण किया।

हो इसके लिए स्थानीय स्तर पर नवीन पंचायत समितियों ,उपखंड कार्यालय ,हहसील व ग्राम पंचायतों का भी गठन

किया गया है। इस अवसर पर दौसा प्रधान प्रहलाद नारायण मीणा, दिलबर शर्मा, पंचायत समिति सदस्य बाबूलाल शर्मा, सरपंच बापी आशा मीणा सरपंच चौरडी,प्रभुनारायण मीणा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## फुलेरा को दूदू जिले में शामिल करने का विरोध

फुलेरा, (निर्स)। राजस्थान सरकार द्वारा जिला बनने की सारी योजनाए रखने वाले फुलेरा-सांभर को जिला नहीं बनाकर ग्राम पंचायत दूदू को करीब तीन महीने में ही पंचायत से जिला घोषित कर दिया गया। साथ ही जिला बनाकर फुलेरा विधानसभा को दूदू जिले में सम्मिलित करने की तैयारी की जा रही है।

इसके चलते फुलेरा विधानसभा को दूदू में शामिल करने के विरोध में फुलेरा, सांभर, नरेवा, रेनवाल सहित जोबनेर की आक्रोशित जनता आगामी 18 जून को राष्ट्रीय राजमार्ग के मौखमपुरा को जाम करेगी। भाजपा के

### जनता 18 जून को राष्ट्रीय राजमार्ग के मौखमपुरा को जाम करेगी

पूर्व जिलाध्यक्ष एवं समाजसेवी दीनदयाल (डीडी) कुमावत ने एक प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि फुलेरा-सांभर भौगोलिक, यातायात, पर्यटन क्षेत्र और जन सुविधाजनक होने के बावजूद सरकार ने ग्राम पंचायत दूदू को जिला बनाकर फुलेरा विधानसभा क्षेत्र एवं आस पास की जनता के साथ

अन्याय किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि फुलेरा-सांभर की जनता पिछले कई वर्षों से जिला बनाने की मांग करती आ रही है।

इसके चलते कुमावत ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि फुलेरा-सांभर जब तक जिला नहीं बनता है, तब तक यहां की जनता चैन से नहीं बैठेगी। इस अवसर पर पूर्व पालिकाध्यक्ष रतन राजौरा, पालिका प्रतिपक्ष नेता संजय पारीक, पूर्व पार्षद सुरेश कुमार सेनी, गोविन्द सिंह बड़गुर्जर, मनोहर सिंह राजवात उपस्थित सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

## चिकित्सा मंत्री ने गारंटी कार्ड बांटे

लालसोट, (निर्स)। चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा द्वारा पंचायत समिति लालसोट की ग्राम पंचायत मिर्जापुर में मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड का पात्र परिवारों को वितरण किया गया। इसके साथ ही मंत्री मीणा ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय मिर्जापुरा में 45 लाख रुपए की लागत से निर्मित 4 कक्षा कक्ष मय होल का उद्घाटन किया। शिबिर को संबोधित करते हुए चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री की राहत देने की सोच धरतल पर इस कदर सफलता के आयाम स्थापित कर रही है कि शिबिरों में प्राप्त हो रही सफलता का कोई तोड़ नहीं मिलने के कारण विपक्षी

भाजपाईं बोखला रहे है। ग्राम पंचायत मिर्जापुरा में महंगाई राहत एवं प्रशासन गांव के संग अभियान का आयोजन किया गया जिसमें कुल 1065 परिवारों का पंजीवन किया गया। इस अवसर पर प्रधान नाथ लाल मीणा , मंडल अध्यक्ष शंभूलाल मिर्जापुरा,उपखंड अधिकारी बुजेंद्र मीणा तहसीलदार मदनलाल मीणा प्रगति प्रसार अधिकारी विमल जैमन विकास अधिकारी राजाराम मीणा ब्यांक सांख्यिकी अधिकारी सुखपाल मीणा, सहायक कृषि अधिकारी रामखिलाडी मीणा, सरपंच सान्खली देवी,पूर्व सरपंच मुकेश मीणा आदि मौजूद रहे।

## तब्लीकी इज्तिमा 4 को

चाकसु, (निर्स)। कस्बे के चाई 7 तकिए वाली मस्जिद (मरकज) मोहल्ला करारखानियां में 4 जून को एक दिवसीय दीनी तब्लीकी इज्तिमा का आयोजन होगा। इज्तिमे के जिम्मेदार नजीबुद्दयान खोखर ने बताया कि इज्तिमे में जोधपुर के हाफिज शकौल साहब के बयान होंगे सुबह के वकत महिलाओं का दीनी प्रोग्राम होगा वही जोहर की नमाज से लेकर ईशा की नमाज तक इज्तिमे चलेगा।

## तिरंगा लाइटों की खरीद में भ्रष्टाचार का आरोप

चौमू/कालाडेरा, (निर्स)। भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगरपालिका चौमू में अधिशासी अधिकारी जितेंद्र मीणा द्वारा नगरपालिका अध्यक्ष से सांटगांठ कर बिना जरूरत के डिवाइडर पोलों के लिए तिरंगा एलईडी लाइटों की खरीद में भारी भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाकर नगरपालिका पूर्व अध्यक्ष आशीष दूसाद के नेतृत्व में उपखण्ड अधिकारी राजेश जाखड को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से बताया कि शहर के डिवाइडर पर पोलो की संख्या

201 है एवं थाना के सामने तहसील के सामने के पोलों को शामिल करते हैं तो यह संख्या लगभग 215 के करीब होती है। इन सभी पोलों के लिए तिरंगा लाइट का बजट लगभग 65 से 70 लाख रुपया है, इस लिहाज से एक पोल के लिए तिरंगा लाइट की क्रीमत लगभग 30 हजार रुपये है जो कि बाजार भाव से कई गुना ज्यादा है। इन तिरंगा लाइटों की खरीद में पूर्व की भाँति तीन डमी फ्रमों द्वारा टेंडर पुल कर बाजार भाव से कई गुना ज्यादा मूल्य पर क्रय कर

अधिशासी अधिकारी ने स्वयं के निजी फ्रायदे के लिए राजकीय कोष को नुकसान पहुंचाकर भारी भ्रष्टाचार किया है। एक तरफ नगर पालिका पर बिजली विभाग का 1 करोड़ 30 लाख रुपये का बिल भुगतान बकाया चल रहा है। वहीं अधिशासी अधिकारी जितेंद्र मीणा ने अनावश्यक लाइटें लगाकर कोड में खाज का काम किया है। साथ ही उन्होंने भ्रष्टाचार के मामले में अधिशासी अधिकारी जितेंद्र मीणा पर कार्रवाई नहीं करने पर भाजपा दोबारा बड़ा

आंदोलन करने की बात कही। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष बजरंग लाल सोनी, नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष आशीष दूसाद, पूर्व उपाध्यक्ष कालुराम जाट, पार्षद संदीप शर्मा, जगेंद्र यादव, राहुल शर्मा, मुकेश सिद्ध, मोहन जलतुरिया, बजरंग कुमावत, अलोके जांगिड, सुनील अग्रवाल, महेश शंकरावत, धर्मेश बंजारा, संदीप भारार, संदीप कुमावत, गुलाब लांबा, अनिल मीणा, अखिल शर्मा, शुभम सोनी सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## बेटियों ने परचम लहराया

मालपुरा, (निर्स)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी किये कक्षा 10 के बोर्ड परिणामों में क्षेत्र की बेटियों ने परचम लहराते हुए क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की तुलना में निजी विद्यालयों का दबदबा रहा। तिलक बाल विद्यापीठ सीनियर सेकण्डरी स्कूल की बेटियों ने समुचे उपखण्ड क्षेत्र में सर्वाधिक अंक 96.50 प्रतिशत अंक लाकर निजी विद्यालयों का गौरवा बढ़ाया। विद्यालय के 64 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी तो 23 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण रहे। कोमल चौधरी ने 96.50 प्रतिशत, अंजली पोटर ने 93.67 प्रतिशत व मोनिका चौधरी ने 93 प्रतिशत, अनुज पारीक ने 89.33 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। संस्था सचिव प्रकाश चन्द पाटनी, प्राचार्य शैलेन्द्र पारीक, नरेन्द्र पारीक सहित शाला परिवार ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दे मिठाई बांटी। बालिका उच्च आदर्श विद्या मंदिर की पलक साहु ने 92.33 प्रतिशत, कोमल चौधरी 89.33 प्रतिशत, राधिका शर्मा 87.67 प्रतिशत, भूमिका सोनी 87.50 प्रतिशत, सेन्ट कबीर एकेडमी का परिणाम 100 प्रतिशत रहा।

## बंद पड़े नालों से सर्विस रोड पर भरा बारिश का पानी

पावटा, (निर्स)। पावटा सहित आस पास के क्षेत्रों में बुधवार रात हुई तेज बरसात के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 48 के किनारे अवरुद्ध व बंद पड़े नालों से सर्विस रोड में बरसाती पानी का जमाव हो गया।

बरसाती पानी की निकासी नहीं होने के कारण वाहन चालकों सहित ग्रामीणों तथा स्थानीय निवासियों को आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा

### 48 घंटे बाद भी नहीं हुई निकासी

है। प्रशासन व एनएचआई के अधिकारियों के पानी निकासी के दावे फेल होते हुए नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार नालों की समय समय पर सफाई नहीं होने के कारण वो कचरों से भरे पड़े हैं। जिसके कारण पानी निकासी अवरुद्ध व बंद पड़ी है व बरसाती पानी की निकासी नहीं हो रही है। आमप्रकाश,



राष्ट्रीय राजमार्ग 48 के किनारे अवरुद्ध व बंद पड़े नालों से सर्विस रोड में बरसाती पानी का जमाव हो गया।

रामनिवास, बंदी स्वामी, नीरज सैन, अक्षय सिंह, सुंदर सहित स्थानीय लोगों ने बताया कि सर्विस रोड किनारे बने

नालों के अवरुद्ध होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिसकी शिकायत भी कई बार लोगों ने

प्रशासन एवं एनएचआई के अधिकारियों से की है बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।



